RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:309 ता. 04 जून 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मंदिर के लिए ड्रेस कोड लागू, नीलकंठ सहित उत्तराखंड के इन शिव मंदिरों में छोटे कपड़े पहनकर जाने पर रोक

हरिद्वार। उत्तराखंड में मंदिरों के लिए भी ड्रेस कोड लागू किया गया है। शरीर को पूरा ढके बिना मंदिरों में जाने पर रोक लगाई गई है। उत्तराखंड के प्रसिद्ध शिव मंदिरों में सख्ती से ड्रेस कोड लागू करने की बात कही गई है। लड़कों, और लड़कियों के लिए सख्ती से ड्रेस कोड लागू करने का आदेश जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी सहित देश के अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को भी मंदिरों में प्रवेश करने के लिए सख्ती से ड्रेस कोड लागू करना होगा। महानिर्वाणी अखाड़े के तीन बड़े मंदिरों में छोटे कपड़े पहनकर जाने वाले लड़के और लड़कियां प्रवेश नहीं कर पाएंगे। हरिद्वार के प्रसिद्ध दक्ष मंदिर, ऋषिकेश के नीलकंठ और देहरादून के टपकेश्वर मंदिर में इसे लागू किया जा रहा है। यह तीनों शिव मंदिर है। अखाड़े के श्रीमहंत और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा है कि जिनका शरीर 80 फीसदी तक ढका होगा,उन्हें ही मंदिरों में प्रवेश दिया जाएगा। अब छोटे वस्त्र पहन कर आने वाली लड़के और लड़कियों को इन तीन मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलेगा।

महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़े इन मंदिरों में यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू की जा रही है। दरअसल इन मंदिरों में कम कपड़े पहन कर आने वाली लड़कियों को पहले भी कई बार रोकने का प्रयास किया गया था, लेकिन अब विधिवत रूप से घोषणा की गई है। श्रीमहंत रविंद्र पुरी का कहना है कि साउथ के कई मंदिरों में युवतियों के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया है। चार दिन पहले ही महाराष्ट्र के मंदिरों में भी यह नियम बनाया गया है। मंदिर में आते समय वस्त्रत्तें का ध्यान रखा जाए। युवावस्था (16से 30 वर्ष) के लड़के और लड़कियों को देव स्थानों में सामाजिक काम के लिए अपने को परिधानों से ढक कर रखना चाहिए। कोई युवती और युवक कम कपड़ों में मंदिर आएंगे तो उन्हें प्रवेश करने से रोका जाएगा। यह व्यवस्था महानिर्वाणी अखाड़े के मंदिरों में लागू की जा रही है।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी, श्रीमहंत महानिर्वाणी अखाड़ा, अध्यक्ष अखाड़ा परिषद

42 साल पहले जब रेल हादसे में गई 800 की जान! उफनती नदी में समा गईं ट्रेन की 9 बोगियां

बालासोर। ओडिशा का बालासोर शुक्रवार की शाम एक भयानक ट्रेन हादसे का गवाह बना। कोरोमंडल एक्सप्रेस बालासोर में बहनागा रेलवे स्टेशन के पास हादसे का शिकार हुई। 2 पैसेंजर ट्रेन और 1 मालगाड़ी आपस में भिड़ गईं, जिसके कारण बोगियां पटरी से उतर गईं और पलट गईं। टक्कर की गूंज करीब 200 मीटर तक सुनाई दी। बालासोर हादसे में अब तक 288 लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ चुकी है। वहीं, 900 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। उनका इलाज अस्पताल में जारी है। लेकिन आपको बता दें कि सबसे बड़ा रेल हादसा आज से 42 साल साल पहले 6 जून को बिहार में हुआ था। इस ट्रेन एक्सीडेंट में करीब 800 लोगों की जान चली गई थी। बिहार के इस रेल हादसे को दुनिया दूसरा सबसे बड़ा ट्रेन एक्सीडेंट माना जाता है। ये घटना कैसे हुई थी आइए इसके बारे में जानते हैं।

देश का सबसे बड़ा रेल हादसा!

बता दें कि आज से करीब 42 साल पहले मानसी-सहरसा रेल सेक्शन पर यात्रियों से भरी एक ट्रेन बदला घाट-धमारा घाट रेलवे स्टेशन के बीच पुल नंबर-51 पर पहुंचकर पलट गई थी और ट्रेन की 9 बोगियां उफनती बागमती नदी में समा गई थीं। हादसे का शिकार हुई ये ट्रेन मानसी से चलकर सहरसा जा रही थी। हालांकि, इस ट्रेन एक्सीडेंट में मारे गए लोगों का सरकारी आंकड़ा 300 ही है लेकिन स्थानीय लोगों का दावा है कि इसमें लगभग 800 लोगों की जान चली गई थी।

जब उफनती नदी में समा गई 9 बोगियां

जान लें कि ये ट्रेन 6 जून की शाम करीब 3 बजे बदला घाट पहुंची थी। थोड़ी देर ठहरने के बाद ये धीरे-धीरे धमारा घाट की तरफ बढ़ी थी। कुछ ही दूर चलने के बाद मौसम अचानक खराब हो गया। तेज आंधी आई और बारिश होने लगी। ट्रेन तब तक रेलवे के पुल नंबर 51 के नजदीक पहुंच गई थी। ट्रेन स्पीड में थी। तभी ट्रेन के ड्राइवर ने एकदम से ब्रेक लगा दिया और ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। ट्रेन की 9 बोगियां पुल से गिरकर बागमती नदी में समा गई।

ओडिशा ट्रेन हादसे से भी बड़ा ट्रेन एक्सीडेंट आज से 42 साल पहले बिहार में हो चुका है. उस दुर्घटना में 800 लोगों की मौत हो गई थी. ट्रेन के 9 डिब्बे बागमती नदी में डूब गए थे.

क्या थी ड्राइवर की गलती?

कहा जाता है कि इस हादसे में लोगों को बचने का कोई मौका नहीं मिला था। तमाम शव तो कई दिनों तक ट्रेन के डिब्बों में फंसे रहे थे। इसे भारत का सबसे बड़ा ट्रेन एक्सीडेंट कहा जाता है। हालांकि, ट्रेन के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक क्यों लगाया, इसकी कोई पुख्ता वजह सामने नहीं आई थी। इस पर भी कई थ्योरी है। एक थ्योरी है कि रेलवे ट्रैक पर अचानक जानवर आ गए थे, उन्हीं को बचाने के लिए ड्राइवर ने ब्रेक लगाया था। वहीं, दूसरी थ्योरी है कि तेज बारिश और आंधी के कारण ट्रेन के डिब्बों की सभी खिड़कियां लोगों ने बंद कर ली थीं। तूफान तेज होने के कारण पूरा प्रेशर ट्रेन पर पड़ा और डिब्बे नदी में समा गए।

ओडिशा ट्रेन हादसे पर सियासत शुरू, अजीत पावर बोले- ऐसी दुर्घटनाओं पर पहले रेल मंत्री दे देते थे इस्तीफा

मुंबई। ओडिशा रेल हादसे पर अब सियासी बयान भी सामने आने लगे हैं। एनसीपी नेता अजीत पवार ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना जरूर बताया है, लेकिन रेल मंत्री पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे हादसों पर पहले के रेल मंत्री इस्तीफा दे दिया करते थे, लेकिन अभी कोई बोलने को तैयार नहीं है। वहीं, तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन, शिव शंकर और अंबिल महेश भी घटनास्थल के लिए रवाना हुए हैं। अजीत पवार ने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, रेल विभाग को इसकी जांच कर जो दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। रेलवे को यात्रियों की जान को अहमियत देनी चाहिए। पहले रेल मंत्री ऐसे रेल हादसों पर इस्तीफा दे देते थे, लेकिन अब कोई बोलने को तैयार नहीं है। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन, शिव शंकर और अंबिल महेश चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे। ओडिशा के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने कहा, हम मौजूदा स्थिति की जानकारी लेने के लिए वहां जा रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने ओडिशा के मुख्यमंत्री से बात की है। तमिलनाडु में रेल दुर्घटना से प्रभावित तमिल लोगों के लिए अस्पताल की सुविधा भी तैयार है। ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप जेना ने घटना की जानकारी देते हुए कहा, अब तक 900 लोगों के घायल होने की सूचना है, उनका इलाज चल रहा है। 233 लोगों के शव बरामद हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। NDRF, ODRAF और दमकल विभाग अब भी बोगी को काटने और लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

अमृतसर में पाक ने फिर की हिमाकत, सरहद पार से ड्रोन की घुसपैठ

रखी थीं 38 करोड़ की हेरोइन

अमृतसर। अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर चौकस बीएसएफ जवानों ने फिर एक बार पाकिस्तानी तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यहां ड्रोन से फैकी गई 35 करोड़ रुपए की हेरोइन को जवानों ने जब्त कर लिया। इसे पाकिस्तानी तस्करों की तरफ से भेजा गया था लेकिन सरहद के इस पार के तस्करों तक पहुँचने से पहले ही यह बीएसएफ जवानों के हाथ लग गई। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि 2-3 जून की आधी रात को जवान सरहद पर गश्त कर रहे थे। तभी गांव राय के करीब उन्हें ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने ड्रोन की मूवमेंट पर नजर रखनी शुरू कर दी। पाक की तरफ से घुसे ड्रोन की आवाज सुनी तो उस पर फायर किए, जिसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तान लौट गया। इसी दौरान ड्रोन द्वारा कुछ फेंके जाने का शक हुआ। जवानों ने एरिया को सील कर सर्च अभियान शुरू की तो खेतों में एक पीले रंग का पैकेट मिला। इस बड़े पैकेट को खोला तो उसमें से 5 पैकेट मिले, जिसमें हेरोइन थी। इसका वजन 5.5 किलो था। पकड़ी गई हेरोइन की इंटरनेशनल वैल्यू तकरीबन 38 करोड़ रुपए है।

● अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर चौकस बीएसएफ जवानों ने फिर एक बार पाकिस्तानी तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यहां ड्रोन से फैकी गई 35 करोड़ रुपए की हेरोइन को जवानों ने जब्त कर लिया।

केंद्र के खिलाफ दिल्ली में अपना दम दिखाएगी केजरीवाल एंड कंपनी

रामलीला मैदान में 11 को `आप' की महारैली

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) 11 जून को रामलीला मैदान में महारैली करने जा रही है। इस महारैली में केजरीवाल एंड कंपनी केंद्र को अपना दम दिखाएगी। 'आप' की दिल्ली इकाई के संयोजक और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने पदाधिकारियों के साथ बैठक की। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि चार जून को दिल्ली के दो हजार मंडलों पर महारैली की तैयारी को लेकर बैठक होगी। उसके अगले दिन डोर-टू-डोर कैंपेन शुरू होगा। घर-घर जाकर महारैली के लिए लोगों को निमंत्रण दिया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि 11 जून को पार्टी द्वारा आयोजित की जा रही रैली राष्टीय राजधानी के निवासियों को केंद्र सरकार के अध्यादेश के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए एक मंच होगी। पदाधिकारियों को रैली की तैयारियों की जिम्मेदारियां सौंपने के लिए आयोजित एक बैठक में राय ने कहा कि 'आप' कार्यकर्ता पांच जून से घर-घर जाकर अभियान शुरू करेंगे और दिल्लीवासियों को रैली में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा कि रैली दिल्लीवासियों के लिए केंद्र सरकार के अध्यादेश के प्रति अपना

आक्रोश और रोष व्यक्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगी। राय ने कहा, यह जानना आवश्यक है कि संविधान प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार प्रदान करता है और किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा इस अधिकार को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध एकजुट सार्वजनिक मुखरता के साथ किया जाना चाहिए।

'आप' नेता ने कहा कि दिल्ली में पार्टी के 2,000 मंडलों की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशाल रैली की तैयारी पर चर्चा के लिए चार जून को एक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के उपाध्यक्षों को लोकसभा क्षेत्रों की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गौरतलब है कि 'आप' केंद्र द्वारा 19 मई को जारी किए गए एक अध्यादेश के खिलाफ लड़ रही है, जिसके दायरे में दानिक्स कैडर के ग्रुप 'ए' अधिकारियों की नियुक्ति और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार लाया गया है। मई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसले में दिल्ली सरकार को सेवाओं के मामलों में कार्यकारी शक्ति दी गई थी, जिसमें अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग शामिल था, जिसे केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश से पलट दिया गया है।

दिल्ली में झुलसाने वाली गर्मी को रहें तैयार

बारिश का दौर खत्म होने से अब शुरू होगा टेम्प्रेचर का टॉर्चर

नई दिल्ली। दिल्ली में अब एक बार फिर से टेम्प्रेचर का टॉर्चर शुरू होने वाला है। दिल्ली में धीरे-धीरे तापमान में इजाफा होने के आसान बर रहे हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि सप्ताहभर में अधिकतम पारा 40 डिग्री के पार जा सकता है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से लगातार होने वाली बारिश का दौर अब खत्म हो रहा है। बीच-बीच में बूंदाबांदी हो सकती है और बादलों की आवाजाही भी देखी जा सकती है। लेकिन, तापमान में धीरे-धीरे इजाफा होने की संभावना है। दिल्ली इन दिनों जहां सुबह के समय सूरज की तपिश ज्यादा देखने को मिल रही है।

मध्यम श्रेणी में रही हवा- मौसम की गतिविधियों के चलते दिल्ली की हवा साफ-सुथरी बनी हुई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली का

औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 120 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता सूचकांक मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। गौरतलब है कि, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' तथा 401 और 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली में फिर शुरू होगा सीलिंग का दौर? व्यापारियों को सताने लगा डर

नई दिल्ली। राजधानी में फिर से व्यापारियों को सीलिंग की कार्रवाई शुरू होने का डर सता रहा है। व्यापारिक संगठन का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली कमेटी ने फिर से सीलिंग अभियान चलाने की अनुमति मांगी है। अगर कोर्ट स्वीकृति देता है तो राजधानी में फिर से सीलिंग की कार्रवाई शुरू हो सकती है। इसको लेकर व्यापारी संगठन कड़ा विरोध कर रहे हैं। वहीं, कुछ संगठनों ने कहा कि पहले यह बताया जाए कि एमसीडी और अन्य निकाय ने बाजार से कितना राजस्व वसूली किया है और कितना बाजार पर खर्च किया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का कहना है कि तीन सदस्यों ने सर्वोच्च न्यायालय में रिपोर्ट दायर की है। रिपोर्ट में जिन संपत्ति को उनके निर्देश

पर बीते कुछ वर्षों में सील किया गया है, उनकी मौके पर जांच करने की मंजूरी देने की मांग की है। इसके साथ ही आवासीय और व्यावसायिक इलाकों में नए अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति देने की मांग की है। दोबारा से कमेटी को कार्रवाई करने की अनुमति दी जाती है तो इससे बड़ा नुकसान होगा। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल का कहना है कि यह पूरी कवायद व्यापारियों को नुकसान पहुंचाने केलिए है। बाजार पर खर्च ब्योरा देने की मांग कमला नगर मिनी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान नितिन गुप्ता का कहना है कि सिस्टम में बैठे लोगों का ध्यान सिर्फ सीलिंग करने और व्यापारियों को नोटिस थमाने पर है। इससे पहले उसको यह बताना चाहिए कि किस बाजार से कितना कर वसूला गया और कितनी राशि बाजार पर खर्च की गई। एक्ट में व्यवस्था है कि जिस बाजार से जितना कर वसूला जाएगा वो उसी बाजार में पार्किंग, पेयजल, शौचालय, स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं को विकसित करने पर खर्च किया जाएगा, लेकिन यहां पर कोई बताने को तैयार नहीं है।

नियमों के तहत नहीं हुई कार्रवाई

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कभी भी सीलिंग की कार्रवाई नियमों के दायरे में नहीं की गई। जिन संपत्तियों पर कन्वर्जन चार्ज का मामला नहीं बनता था, उन्हें कन्वर्जन चार्ज के तौर पर सील कर दिया गया। सदर बाजार का उदाहरण भी सामने है। मास्टर प्लान के तहत जिस क्षेत्र के भवनों में 70 फीसदी से अधिक व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं, उसे व्यावसायिक क्षेत्र माना जाएगा। सदर बाजार में 95 फीसदी क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधि हो रही हैं, लेकिन उसे आवासीय मानकर सीलिंग की जा रही है। कोई सुनने को भी तैयारी नहीं है।

ओडिशा में भीषण ट्रेन हादसे में 233 की मौत, नौ सौ से ज्यादा घायल, ; बढ़ सकता है मृतकों का आंकड़ा

बालासोर हावड़ा। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम को कोरोमंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के बेपटरी होने और एक मालगाड़ी के टकराने से जुड़े रेल हादसे में कम-से-कम 233 लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 900 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। ऐसे में सबके मन में सवाल उठ रहा है कि एक ही जगह पर तीन ट्रेनें कैसे टकरा गईं। कोरोमंडल के डिब्बे पटरी से पहले उतरे या बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के, इसको लेकर अलग-अलग बयान सामने आ रहे हैं। दुर्घटना स्थल पर राहत बचाव कार्य जारी है। इस बीच, भीषण ट्रेन हादसे के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को राजकीय शोक की घोषणा की है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा, मैंने यह पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच करने का आदेश दिया है कि यह दुर्घटना क्यों हुई। मूल कारण तक पहुंचना महत्वपूर्ण है।

पहले किसके डिब्बे उतरे? अलग-अलग बयान-रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हावड़ा जा रही 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे बाहानगा बाजार में पटरी से उतर गए और दूसरी पटरी पर जा गिरे। उन्होंने कहा कि पटरी से उतरे ये डिब्बे 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए और इसके डिब्बे भी पलट गए। इस अधिकारी के मुताबिक कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतरने के

बाद एक मालगाड़ी से टकरा गए, जिससे मालगाड़ी भी दुर्घटना की चपेट में आ गई। उन्होंने बताया कि हादसा शाम को करीब सात बजे हुआ। दूसरी तरफ, रेलवे के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने बताया कि पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी उतरी और इसके 10-12 डिब्बे बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस की पटरी पर जा गिरे और फिर मालगाड़ी भी दुर्घटना की चपेट में आ गई।

ऐसे बड़ा होता गया हादसा -रेलवे के आधिकारिक बयान के मुताबिक, ट्रेन नंबर 12841 जो शालीमार से चेन्नई जाती है, 2 जून दोपहर 3.30 बजे शालीमार से खुली और शाम सात बजे के करीब खड़गपुर डिवीजन के तहत आने वाले बाहानगा बाजार रेलवे स्टेशन के पास इसके 10-12 डिब्बे पटरी से उतर गए। ये डिब्बे बगल की ट्रैक पर पलट गए, जिस पर कुछ देर बाद ट्रेन नंबर 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस गुजरी और वह कोरोमंडल एक्सप्रेस की बोगियों से टकरा गई। इसके बाद इसके भी कई डिब्बे ट्रैक से नीचे जा गिरे। इन दोनों के डिब्बे मालगाड़ी से टकरा गए और इस तरह यह हादसा बड़ा होता चला गया।

स्थानीय लोग मदद के लिए आगे आए- पटरी से उतरे डिब्बों में कई लोग फंस गए और स्थानीय लोग उन्हें बचाने के लिए आपातकालीन सेवाकर्मियों की मदद कर रहे थे, लेकिन अंधेरा होने की वजह से बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एक चश्मदीद ने बताया कि सबसे पहले स्थानीय ग्रामीण दुर्घटनास्थल पर मदद के लिए पहुंचे और घायल यात्रियों को निकलने में सहायता की। यात्री रूपम बनर्जी ने पत्रकारों से कहा, स्थानीय लोग तुरंत हमारी मदद करने के लिए आगे आए। न केवल लोगों को बाहर निकालने बल्कि हमारे सामान को निकालने में भी मदद की और हमें पानी उपलब्ध कराया दिया।

पत्नी से मिलने आवास पहुंचे सिसोदिया, लेकिन मुलाकात नहीं हुई

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया अपनी पत्नी से मिलने अपने आवास पर पहुंच गए हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें अपनी बीमार पत्नी से सुबह 10 बजे से शनिवार शाम 5 बजे तक मिलने की अनुमति दी थी। हालांकि खबर हैं कि सिसोदिया घर पहुंचकर भी पत्नी से नहीं मिल सके क्योंकि उनके पहुंचने से पहले ही तबीयत बिगड़ने के चलते सीमा सिसोदिया को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि, अदालत ने छूट के साथ ही कुछ शर्तें भी रखी हैं, जिसका पालन सिसोदिया को करना होगा। अदालत ने कहा है कि इस दौरान सिसोदिया मीडिया से बातचीत नहीं करने साथ ही मोबाइल फोन और इंटरनेट का इस्तेमाल भी नहीं करने वाले हैं। सिसोदिया की कानूनी टीम ने उनकी पत्नी की बीमारी का हवाला देकर दिल्ली उच्च न्यायालय में अंतरिम जमानत याचिका दायर की। अंतरिम जमानत छह सप्ताह की जमानत देने के लिए अदालत के निर्देश की मांग कर रही है। इतना ही नहीं सिसोदिया को अपने परिवार के सदस्यों के अलावा किसी से भी मिलने की अनुमति नहीं होगी। गौरतलब है कि कथित शराब घोटाला मामले में ईडी द्वारा दर्ज केस में सिसोदिया ने 10 दिन के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी सिसोदिया ने अंतरिम जमानत ईडी ने 9 मार्च को तिहाड़ जेल में घंटों पूछताछ के बाद शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

स्वर्ण मंदिर के पास बम की अफवाह, अलर्ट हुई पुलिस

अमृतसर। शनिवार को स्वर्ण मंदिर के पास बम की झूठी कॉल आने से पंजाब पुलिस अलर्ट हो गई और तुरंत बम निष्क्रिय करने वाले एक दस्ते को मौके पर भेजा गया। भारतीय सेना के ऑपरेशन ब्लूस्टार की 39वीं बरसी से कुछ ही दिन पहले यह धमकी ?मिली है। पुलिस को फोन करने के आरोप में तीन बच्चों सहित चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस को रात करीब एक बजे स्वर्ण मंदिर के पास चार बम रखे जाने की सूचना मिली। ऑपरेशन ब्लूस्टार स्वर्ण मंदिर परिसर में छिपे जरनैल सिंह भिंडरावाले के नेतृत्व वाले उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आदेशित एक सैन्य कार्रवाई थी। ऑपरेशन 1 और 8 जून 1984 के बीच किया गया था। इसमें कई लोगों की जान गई थी और स्वर्ण मंदिर तथा मंदिर परिसर भी क्षतिग्रस्त हो गया था। बता दें कि आगामी 6 जून को पड़ने वाले ऑपरेशन ब्लूस्टार की वर्षगांठ को ध्यान में रखते हुए, पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस दल सभी 28 पुलिस जिलों में जनता के बीच विश्वास जगाने के उपाय के रूप में संवेदनशील और कमजोर क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर रहे हैं। विशेष डीजीपी (कानून व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने कहा कि पुलिस आयुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस टीमों ने फ्लैग मार्च के दौरान 368 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा भी है।

श्री अमरनाथ जी यात्रा की प्रथम पूजा, 1 जुलाई से शुरु होगी बाबा बर्फानी की यात्रा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने शनिवार को श्री अमरनाथ जी यात्रा की प्रथम पूजा की। उन्होंने कहा कि एक जुलाई से देश भर से तीर्थयात्री अमरनाथ के पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ पड़ेंगे। सिन्हा ने कहा कि यह यात्रा 30 अगस्त को समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ यात्रा के प्रबंधन में लगी सभी संस्थाएं इस यात्रा को सफल बनाने के लिए काम कर रही हैं। वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत करने के लिए एलजी सिन्हा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये प्रथम पूजा में शामिल हुए। दुनिया भर के लाखों भक्तों के लिए बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा की तीर्थ यात्रा जीवन भर का सपना होता है। एलजी सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि तीर्थयात्रियों के आराम और भलाई के लिए सर्वोत्तम संभव व्यवस्था की जाए। बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं में सुधार लाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में समर्पित प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की जरूरतों और आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाए। हम तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं और सेवाओं के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। सिन्हा ने कहा कि 1 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के सफल संचालन के लिए स्थानीय निवासियों का अत्यधिक योगदान है। इससे आजीविका के अवसर भी बढ़ते और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। एलजी सिन्हा ने उम्मीद जाहिर की कि इस साल हुई भारी बर्फबारी के बावजूद सीमा सड़क संगठन तेजी से काम करते हुए हुए श्री अमरनाथ यात्रा के लिए रास्तों को समय पर ठीक करने का काम पूरा कर लेगा।

सेना से रिटायर्ड दोस्त ने की थी बीजेपी नेता नित्यानंद राय की हत्या

गोरखपुर। गोरखपुर के गोला क्षेत्र में बीजेपी नेता नित्यानंद राय के अंधे कत्ल का खुलासा हो गया है। यह हत्या, बीजेपी नेता राय के सीआरपीएस से रिटायर्ड दोस्त ने ही की थी। दोस्त को नित्यानंद राय के चरित्र पर शक था। इसके लिए कई बार समझाया भी था। बावजूद इसके नित्यानंद राय हरकतें कम नहीं हो रही थीं। आरोप है कि नित्यानंद राय हत्यारे के परिवार की महिलाओं पर बुरी नजर रखता था। गोरखपुर पुलिस ने आरोपी दिलीप सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत मल्लीपुर शहडौली गांव में 23 मई की रात हुई बीजेपी नेता नित्यानंद राय के हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। खुलासे में चौंकाने वाली बात सामने आई है। हत्या नित्यानंद के दोस्त सीआरपीएफ से रिटायर्ड दिलीप सिंह ने की थी। जानकारी के अनुसार दिलीप सिंह गांव में ही एक एकेडमी भी चलाता है। नित्यानंद की हत्या के बाद दिलीप अंतिम संस्कार से जुड़े सभी काम में परिवार के साथ भी मौजूद रहा। ताकि किसी को जरा भी शक न हो। बीजेपी नेता नित्यानंद राय और रिटायर्ड सीआरपीएफ जवान दिलीप सिंह में गहरी दोस्ती थी। दोनों हमेशा साथ रहते थे। दिलीप सिंह का कहना है कि नित्यानंद ने उसके ही परिवार की महिलाओं सहित एकेडमी की महिला कर्मचारी पर बुरी नजर रखना शुरू कर दिया। इस बात की भनक लगी तो उसे सबक सिखाने की सोची। दिलीप ने बताया कि वह उसे जान से मारना नहीं चाहता था, लेकिन लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चली और उसकी मौत हो गई। एसएसपी गौरव ग्रोवर ने हत्याकांड का खुलासा करने वाली टीम के लिए 25 हजार का इनाम घोषित किया है।

एक महीने के दौरान हिंसा में 98 लोगों की मौत, 4000 आगजनी के मामले

इम्फाल। लगभग एक माह से मणिपुर में चल रही हिंसा के दौरान 98 लोगों की जान चली गई। साथ ही चार हजार जगह आगजनी की घटनाएं हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार 310 लोग घायल भी हुए हैं। हालांकि स्थित में सुधार होता दिख रहा है। इधर राज्य प्रशासन की ओर से कई जिलों में कर्फ्यू में ढील भी दी गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में घायलों की संख्या 310 और आगजनी के दर्ज मामलों की संख्या 4,014 बताई गई है। 11 मैगजीन सहित 144 चोरी के हथियार बरामद किए गए हैं। बरामद हथियारों में 29 सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), 15 कार्बाइन, 12 इंसास राइफल और 10 ग्रेनेड लॉन्चर शामिल हैं। बयान के अनुसार, 3,734 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जिनमें से अधिकतम 1,257 इंफाल पश्चिम जिले में दर्ज की गई हैं, इसके बाद कांगपोकपी (932) और बिष्णुपुर (844) हैं। अधिकांश जिलों में कर्फ्यू में ढील दी गई है। दो स्थानों पर सशस्त्र बदमाशों और नागरिकों के बीच गोलीबारी की सूचना मिली है। यह घटना केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मणिपुर में मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के बाद इम्फाल से रवाना होने के एक दिन बाद हुई है। शाह, जो तीन दिवसीय दौरे पर थे, ने विभिन्न हितधारकों से मुलाकात की। इंफाल पश्चिम जिले के फायेंग गांव में शुक्रवार को सशस्त्र बदमाशों द्वारा घरों में आग लगाने के बाद भारी गोलीबारी हुई। फायेंग के रहने वाले अंगोम रबीकांत ने कहा कि अत्याधुनिक हथियारों से लैस तीन हथियारबंद बदमाशों ने सुबह करीब साढ़े नौ बजे ग्रामीणों पर गोली चलाने से पहले उनके फार्महाउस में आग लगा दी।

भारत और नेपाल के बीच संबंधों में नए इतिहास की शुरूआत: प्रचंड

इंदौर (एजेंसी)। नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड ने कहा है कि भारत और नेपाल के बीच संबंधों में नए युग की शुरुआत हो रही है। पीएम श्री प्रचंड ने यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा उनके सम्मान में इंदौर में दिये गए रात्रि भोज में कही। पीएम श्री प्रचंड ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कल की मुलाकात के दौरान कहना कि हम अपने रिश्तों को हिमालय जितनी ऊंचाई देने के लिए काम करते रहने वाले हैं, और इसी भावना से, हम सभी मुद्दों का, चाहे बाउंड्री का हो या कोई और विषय, सभी का समाधान करने यह हमारे लिये खुशी और गर्व का विषय है।

पीएम प्रंचड ने कहा कि मेरा प्रधानमंत्री के रूप में भारत भ्रमण चौथी बार हो रहा है। इस बार प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के बीच जो सहमति हुई है, यह दूर तक जाने वाली सहमति है। कनेक्टीविटी, वॉटर रिसोर्स, ऊर्जा के क्षेत्र में जो सहमति बनी है, उसके दूरगामी परिणाम मिलने वाले हैं। मैं नेपाल जाकर नेपाली जनता को बताऊंगा कि भारत नेपाल के बीच संबंधों में नए इतिहास की शुरूआत हुई है। भारत नेपाल के संबंधों में नए आयाम जुड़े है। इन्हें मजबूत करना हम सबका कर्तव्य है।

श्री प्रचंड ने कहा कि मध्यप्रदेश में जो गर्मजोशी से स्वागत हुआ है वह अविस्मरणीय है। भगवान महांकाल के दर्शन कर मेरा सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जो विकास हुए है वह अभूतपूर्व है। इसके लिये उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बधाई दी। मुख्यमंत्री चौहान ने स्वागत भाषण देकर प्रदेश की 9 करोड़ जनता और राज्य शासन की ओर से पीएम प्रचंड का स्वागत अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि श्री प्रचंड को हमारे बीच पाकर हम अभिभूत है, उनका स्वागत कर हम गौरवांवित हो रहे है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और परम्पराएं लगभग एक जैसी है। कार्यक्रम का संचालन सांसद शंकर लालवानी ने किया।

200 करोड़ का बंगला, कई विला और 14 करोड़ की गाड़ी के मालिक हैं शाहरुख खान

मुंबई। सुपरस्टार शाहरुख खान दुनिया के रईस सितारों में से एक हैं। उन्होंने अपने काम की बदौलत ना सिर्फ शोहरत बल्कि जमकर दौलत भी कमाई है। शाहरुख खान का मुंबई में आलीशान सी-फेसिंग बंगला 'मन्नत' है, जिसमें वह अपनी पूरी फैमिली के साथ रहते हैं। घर की कीमत लगभग 200 करोड़ रुपये है। इसके अलावा वह कई महंगी चीजों के मालिक हैं, जिनकी कीमत सुनकर किसी का भी सिर चकरा जाएगा। शाहरुख का अपना प्रोडक्शन हाउस है, जिसका नाम 'रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट' है। इसकी शुरुआत शाहरुख ने पत्नी गौरी खान के साथ मिलकर साल 2002 में किया था। इस प्रोडक्शन हाउस का एनुअल टर्नओवर 500 करोड़ रुपये है। सेंट्रल लंदन के पार्क लेन में शाहरुख खान का विला है। ये विला 183 करोड़ रुपये का है। शाहरुख की सबसे महंगी प्रॉपर्टी की लिस्ट में ये विला शामिल है। वह अक्सर अपनी फैमिली के साथ लंदन के इस विला में टाइम स्पेंड करने के लिए जाते रहते हैं। दुबई में भी शाहरुख का एक और विला है, जिसमें हर तरह की सुविधाएं मौजूद हैं। इस विला का नाम 'जन्नत' है। ये विला 100 करोड़ रुपये का है। दुबई बेस्ड प्रॉपर्टी डेवलपर नखील ने शाहरुख को साल 2007 में गिफ्ट के तौर पर ये विला दिया था। शाहरुख अभिनेता के अलावा एक सक्सेसफुल बिजनेमैन भी हैं। उनकी अपनी एक आईपीएल टीम 'कोलकाता नाइट राइडर्स' है जिसकी को-ऑनर जूही चावला हैं। इस टीम में शाहरुख की 55 फीसदी हिस्सेदारी है। इस आईपीएल टीम की ब्रैंड वैल्यू लगभग 718 करोड़ रुपये है। किंग खान लग्जरी कारों के शौकीन हैं। उनके पास एक से एक लग्जरी कारों का कलेक्शन हैं। शाहरुख खान ब्युगाटी वेरॉन के मालिक हैं, जिसकी कीमत 14 करोड़ रुपये है।

दुष्कर्म पीड़िता मांगलिक है या नहीं, हाई कोर्ट के कुंडली जांच के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग को एक महिला की 'कुंडली' की जांच करने का निर्देश दिया गया था ताकि यह पता चल सके कि वह 'मांगलिक' है या नहीं। दरअसल, बीते दिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक आदेश दिया, जिसने खासी सुर्खियां बटोरी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रेप पीड़िता की कुंडली मिलान और कुंडली के अध्ययन का आदेश दिया था। अब हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के 23 मई के आदेश पर रोक लगा दी है।

बता दें कि हाईकोर्ट लखनऊ विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष (ज्योतिष विभाग) को यह निर्धारित करने का निर्देश दिया गया था कि कथित बलात्कार पीड़िता मंगली/मांगलिक है या नहीं। आदेश में कहा गया था कि कुंडली की जांच कर ये पता लगाया जाए कि रेप पीड़िता मांगलिक है या नहीं। उच्च न्यायालय ने पिछले हफ्ते शादी के झूठे वादे के जरिए कथित बलात्कार के एक मामले में जमानत अर्जी पर आदेश पारित किया था। शनिवार को हुई विशेष सुनवाई में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस पंकज मित्तल की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि ज्योतिष का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है. भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाई कोर्ट के आदेश को 'परेशान करने वाला' करार दिया।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार याचिकाकर्ता ने दावा किया कि युवती मंगली है, लिहाजा उसकी शादी बिना मंगली शख्स के साथ नहीं हो सकती। पीड़िता मंगली है या नहीं, ये पता करने के लिए हाई कोर्ट के जज जस्टिस बृजराज सिंह ने ये फैसला दिया था। कोर्ट ने आदेश देते हुए ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष को निर्देश दिया था कि वह कुंडलियों का अध्ययन और मिलान कर तीन हफ्ते में अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत को दें और ये पता करें कि पीड़िता मांगलिक है या नहीं।

विश्व सायकिल दिवस पर समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरापपिथा धनूपुर के कर्मचारियों द्वारा निकाला गया रैली

सूरत भूमि, संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय।

आज प्रयागराज हंण्डिया धनूपुर सरापपिथा समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधिक्षक डाक्टर एव कर्मचारियों ने मिलकर विश्व सायकिल दिवस पर सायकिल रैली निकाली सायकिल रैली की अगुवाई करते हुए अधिक्षक स्वास्थ्य केन्द्र सरापपिथा ने कहा कि सायकिल का उपयोग करने से अनेकों स्वास्थ्य लाभ लोगो को मिलता है अधिकांश वे लोग जो पैर के समस्या से ग्रसित है सायकिल मानवीय जीवन का एक महत्वपूर्ण कडी है जिसका उपयोग पीढ़ी दर पीढ़ी करते आ रहे हैं सायकिल का उपयोग हमारे प्रकृति को मजबूत करने मे सहायक है जिसके कारण प्रदूषण नहीं होता है आज के समय में इंसान इसका उपयोग करने मे परहेज़ करने लगे और पेट्रोल, चार्चिग वाहनों का उपयोग करने लगे हैं जिससे रोज का खर्च बढता जा रहा है वही दूसरी तरफ सायकिल उन खर्चों को बचाने के साथ साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है सायकिल तमाम लोगो की उम्मीद है इस अवसर पर डा.आनंद त्रिपाठी, डाक्टर दूबे, डा.खुद्दुश आलम, अम्बुज, दिपक, समेत समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरापपिथा के कर्मचारी ने भाग लिया ।

सबका साथ नहीं, बृजभूषण का साथ, पहलवानों के विरोध पर चुप्पी को लेकर कपिल सिब्बल का केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को पहलवानों के विरोध पर चुप रहने और पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाले भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए केंद्र पर निशाना साधा। उच्चतम न्यायालय में प्रदर्शनकारी पहलवानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने ट्विटर पर कहा कि मामले की जांच करने वालों के लिए 'संदेश' काफी है। सिब्बल ने कहा कि बृजभूषण सिंह अभी भी गिरफ्तार नहीं हुए हैं। पीएम चुप, गृह मंत्री चुप, भाजपा चुप, आरएसएस चुप। जांच करने वालों के लिए पर्याप्त संदेश! सिब्बल ने सरकार के नारे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' पर तंज कसते हुए कहा कि 'सबका साथ नहीं बृजभूषण का साथ!' सिब्बल का यह हमला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सिंह की गिरफ्तारी की मांग के जोर शोर से उठने के बाद हुआ।

जौनपुर प्रशासन ने गैगेस्टर अधिनियम के अभियुक्त जितेद्र कुमार यादव की संम्पति जब्त किया गया

सूरत भूमि, संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय।

गैगेस्टर अधिनियम के अभियुक्त जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा आपराधिक कृत्य से अर्जित सम्पत्ति होटल पियूष व भूमि कीमत कुल 03 करोड़ 80 लाख रुपया उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम की धारा-14(1) के तहत जब्त किया गया-

पुलिस अधीक्षक आइपीएस अजय पाल शर्मा जौनपुर के निर्देश में अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना लाइनबाजार जौनपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-08/2023 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोह बन्ध एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम के अभियुक्त जितेन्द्र कुमार यादव पुत्र सक्खन यादव निवासी सैदनपुर थाना लाइनबाजार जौनपुर द्वारा आपराधिक कृत्य से की गयी अवैध कमाई से एक तीन मंजीला होटल पियूष कीमत करीब 03 करोड़ निर्माण व अपनी पत्नी के नाम ग्राम मदनपुर में 0.0150 हे0 भूमि कीमत करीब 80 लाख रुपया क्रय की गयी थी जिसको उ0प्र गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप अधिनियम की धारा 14(1) के अन्तर्गत जिलाधिकारी जौनपुर के आदेश के क्रम में प्रशासक तहसीलदार सदर जौनपुर व थाना कोतवाली, लाइनबाजार पुलिस द्वारा जब्त किया गया ।पूर्व में भी जितेन्द्र कुमार यादव की गैंगेस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत लगभग 03 करोड़ की सम्पत्ति को जब्त/कुर्क किया जा चुका है।

विपक्षी एकता को बड़ा झटका, केसीआर ने किया किनारा, भाजपा का तंज- नीतीश के गुब्बारे में चुभी एक और पिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए ÷अंधी नफरत÷ और उन्हें सत्ता से बेदखल करने का एकमात्र एजेंडा विपक्षी दलों को एकजुट करने का मुद्दा नहीं हो सकता है। उन्होंने साफ तौर पर यह भी कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश छोड़ दी है। यह कही ना कही विपक्षी दलों के लिए बड़ा झटका है।

केटी रामाराव ने क्या कहा

बीआरएस, जिसे पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति के रूप में जाना जाता था, ने कहा कि लोग इस तरह के दृष्टिकोण का स्वागत नहीं करेंगे और कहा कि यही कारण है कि केसीआर अपने तरीके से काम कर रहे थे। केटीआर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोगों को शासन के बेहतर मॉडल की जरूरत है, न कि केवल नेतृत्व के चेहरे में बदलाव की। उन्होंने कहा, ÷विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश करने के बाद, केसीआर ने एक नए शासन मॉडल के बिना इसकी निरर्थकता को महसूस किया है, जो देश की जरूरत है।÷ विशेष रूप से, केसीआर ने गैर-कांग्रेसी मोर्चा बनाने के लिए कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर, पिछले दो वर्षों में कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की थी।

भाजपा का नीतीश पर तंज

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी बीआरएस ने 12 जून की विपक्षी एकता बैठक में शामिल होने से इनकार दिया। यह नीतीश कुमार के महात्वाकांक्षी गुब्बारे में चुभी एक और पिन है। मोदी ने कहा कि केसीआर ने विपक्ष शासित चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में नीतीश कुमार को न्योता नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि इससे पहले उडीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने नीतीश कुमार की भाजपा-विरोधी मुहिम से किनारा कर लिया था। मोदी ने कहा कि राहुल गांधी के विदेश यात्रा पर रहने के कारण कांग्रेस की दूसरी-तीसरी कतार का कोई नेता ही पटना की विपक्षी जुटान में शामिल होगा। इसका कोई मतलब नहीं है।

दुनियाभर से आई मदद की पेशकश, ट्रेन हादसे पर विदेशी नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली(एजेंसी)। शनिवार को ओडिशा ट्रेन दुर्घटना में मारे गए लोगों के लिए दुनिया भर से संवेदनाएं आ रहीं हैं। वहीं कई देश मदद की पेशकश भी कर रहे हैं। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और भारत में अमेरिकी दूत एरिक गार्सेटी ने ट्रेन दुर्घटना से प्रभावित लोगों के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने एक ट्वीट में कहा 'भारत में ट्रेन दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना करती हूं। मैं पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और आशा करती हूं कि बचाव अभियान उन सभी जरूरतमंदों को बचा सकता है।' वहीं यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने कहा कि 'ओडिशा में हुई त्रासदी पर भारत के लोगों और पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम आपके दर्द को साझा करते हैं और सभी पीड़ितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। ईयू किसी भी तरह से सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।'

इधर कनाडा के पीएम जस्टिन टूडो ने एक ट्वीट में कहा 'ओडिशा, भारत में ट्रेन दुर्घटना की तस्वीरें और रिपोर्ट ने मुझे गहरा आघात पहुंचाया है। मैं अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भेज रहा हूं, और मैं घायलों के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। इस मुश्किल घड़ी में कनाडा के लोग भारत के लोगों के साथ खड़े हैं।' ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा 'हम भारत के पूर्वी ओडिशा राज्य में विनाशकारी ट्रेन दुर्घटना के बाद अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं भारत में अमेरिकी दूत, एरिक गार्सेटी ने एक ट्वीट में कहा 'भारत में अमेरिकी मिशन की ओर से, मैं बालासोर में दुखद ट्रेन दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में हम भारत और ओडिशा के लोगों के साथ खड़े हैं।'

इसी तरह भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने भी अपनी संवेदना व्यक्त की। अलीपोव ने एक ट्वीट में कहा ?कि ओडिशा के दुखद ट्रेन हादसे के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।' गौरतलब है कि शुक्रवार को ओडिशा के बालासोर में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी की टक्कर में अब तक 288 लोगों की मौत हो गई। और लगभग 1000 लोगों घायल हो गए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घटनास्थल का दौरा किया है। बचाव अभियान जारी है।

इमरान खान के बेहद करीबी उस्मान बुजदार ने छोड़ी राजनीति

क्वेटा । पाकिस्तान के पूर्व पीएम व पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान के बेहद करीबी माने जाने वाले पाकिस्तान पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, क्वेटा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उस्मान ने कहा कि वह पिछले 14 महीनों से कई केस का सामना कर रहे हैं। मैं राजनीति को छोड़ रहा हूं। बुजदार ने कहा कि ऐसा कोई नागरिक नहीं होगा जो 9 मई की इन घटनाओं की निंदा न करे। बुजदार ने कहा, मैं सेना के साथ खड़ा हूं और भविष्य में भी खड़ा रहूंगा। मैं राजनीति से संन्यास ले रहा हूं। इसके अलावा उन्होंने अपने संबोधन में कहा, निर्दोष लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके साथ नरमी बरती जानी चाहिए और उन्हें रिहा किया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बुजदार ने कहा कि मैंने अच्छे इरादों के साथ लोगों की सेवा की है और मैं पिछले 14 महीनों से राजनीति में सक्रिय नहीं हूं। मीडिया के मुताबिक, बुजदार ने कहा कि वह हमेशा पाकिस्तान की सशस्त्र सेना के साथ खड़े थे और आगे भी खड़े रहेंगे। कभी इमरान खान के करीबी माने जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं हमेशा अच्छी राजनीति के लिए प्रतिबद्ध रहा हूं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला किया है।

पीटीआई अध्यक्ष परवेज इलाही की पहले हुई रिहाई फिर हुए गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष परवेज इलाही की पहले रिहाई के आदेश हुए इसके तुरंत बाद लाहौर की एक जिला अदालत के बाहर फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। पीटीआई का दावा है कि इलाही को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए उनके खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किए जा रहे हैं। मीडिया में आई एक खबर के मुताबिक, इलाही को गुजरांवाला के भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान (एसीई) ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले इलाही को भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान (एसीई) के अधिकारियों ने गुरुवार को उनके आवास के पास से गिरफ्तार किया था। जबकि लाहौर की जिला अदालत ने इलाही को बरी कर दिया। हालांकि कोर्ट ने पहले इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने कहा कि इलाही के खिलाफ मामला पुख्ता नहीं है। इसलिए, आरोपी के खिलाफ कोई आरोप लगाने से पहले इस मामले में और जांच और पूछताछ की आवश्यकता है। इसी वजह से पीटीआई नेता की किसी अन्य आपराधिक मामले में शामिल नहीं होने पर तत्काल रिहाई का आदेश दिया। जानकारी के अनुसार अदालत ने कहा, हालांकि, कानून के अनुसार जांच एजेंसी आपत्तिजनक सामग्री मिलने पर उन्हें बाद में गिरफ्तार कर सकती है।

स्वीडन की उम्मीदवारी बढ़ाने तुर्किये जाएंगे नाटो प्रमुख

ब्रसेल्स । उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेंस स्टोल्टेन्बर्ग इस सप्ताहांत तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोआन और देश के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ वार्ता करेंगे। उल्लेखनीय है कि तुर्किये पर इसके लिए दबाव बढ़ रहा है कि वह सैन्य संगठन नाटो में स्वीडन के शामिल होने के प्रति अपनी आपत्तियां हटा ले। नाटो मुख्यालय ने एक बयान में कहा कि स्टोल्टेन्बर्ग, एर्दोआन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। एर्दोआन, पिछले हफ्ते चुनाव में जीत हासिल करने के बाद फिर से तुर्किये के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि नाटो 11-12 जुलाई को लिथुआनिया में हुई बैठक में स्वीडन को सैन्य गठबंधन में शामिल करना चाहता है, लेकिन तुर्किये और हंगरी द्वारा इस कदम को अब तक मंजूरी नहीं दी गई है। किसी नये सदस्य को गठबंधन में शामिल करने के लिए नाटो के सभी 31 देशों द्वारा उसकी उम्मीदवारी का अनुमोदन किया जाना जरूरी है। तुर्किये की सरकार ने स्वीडन पर चरमपंथी संगठनों और कुर्द चरमपंथी समूहों के प्रति काफी उदार रुख रखने का आरोप लगाया है। कुर्द समूह और इससे जुड़े लोगों ने तुर्किये में 2016 में तख्तापलट की कोशिश की थी।

फंगल इन्फेक्शन से 2 की मौत, कई जान आफत में

वाशिंगटन । अमेरिका में फंगल इन्फेक्शन से 2 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों की जान आफत में पड गई है। मेक्सिको में कॉस्मेटिक सर्जरी कराना लोगों को खासा भारी पड़ रहा है। उनमें फंगल इंफेक्शन की शिकायतें देखने को मिली हैं। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने बताया है कि मैक्सिकन शहर मैटामोरोस में एपिड्यूरल एनेस्थेसिया से जुड़ी सर्जरी कराने वाले दो लोगों की मेनिन्जाइटिस से मौत हो गई है। इन दोनों लोगों ने लाइपोसक्शन कराया था, जिसमें शरीर के हिस्सों में जमी चर्बी हटा दी जाती है। इसके साथ ही अमेरिका और मैक्सिको में करीब 400 लोगों पर नजर रखी जा रही है। वहीं मैटामोरोस शहर में दो कॉस्मेटिक क्लीनिक बंद कर दिए गए हैं ।कई अमेरिकी नागरिक लाइपोसक्शन, स्तन वृद्धि और ब्राजीलियन बट लिफ्ट जैसी कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए मेक्सिको जाते हैं। इस दौरान सभी को रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में सुन्न करने का एनेस्थीसिया दिया जाता है। सीडीसी के डलास स्मिथ ने बताया कि मैटामोरोस शहर में दो कॉस्मेटिक क्लीनिक में एनेस्थीसिया के दौरान उपयोग की जाने वाली दवाएं दूषित हो गई थी, जो मौजूदा प्रकोप की वजह है। सीडीसी ने लिखा, 'अधिकारियों ने प्रकोप से जुड़े दो क्लीनिकों की पहचान की है, रिवर साइड सर्जिकल सेंटर और क्लिनिका के-3 नामक ये क्लीनिक 13 मई, 2023 को बंद कर दिए गए थे।' सीडीसी ने चेतावनी दी है कि सैकड़ों और लोगों को खतरा हो सकता है। सीडीसी ने कहा कि उसने पहले ही अमेरिका में फंगल मैनिंजाइटिस के 'संदिग्ध' या 'संभावित' मामलों वाले 25 लोगों की पहचान कर ली है। जनवरी से लेकर 13 मई के बीच मैटामोरोस के क्लीनिकों की यात्रा करने वाले 200 से अधिक अमेरिकियों को खतरा है। मैनिंजाइटिस के लक्षणों में बुखार आना, सिरदर्द होना, गर्दन में अकड़न, उल्टी, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता और मानसिक स्थिति में बदलाव शामिल हो सकते हैं। सीडीसी ने नोट किया कि फंगल मैनिंजाइटिस संक्रमण संक्रामक नहीं हैं और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है। हालांकि, लक्षण दिखते ही डॉक्टरों से तुरंत संपर्क करना जरूरी है, क्योंकि यह जल्द ही ये जिंदगी के लिए खतरा बन सकता है। इस घटना के बाद अमेरिकी और मैक्सिकन प्राधिकरण ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से इस प्रकोप को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान सरकार ने मीडिया घरानों से इमरान खान के भाषणों, बयानों को तरजीह नहीं देने को कहा

लाहौर। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को देश के मीडिया घरानों से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भाषणों, बयानों, ट्वीट या तस्वीरों को प्रकाशित या प्रसारित करने से परहेज करने का आग्रह किया। सरकार ने कहा कि वह यह सुनिश्चित कर रही है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 70 वर्षीय प्रमुख की सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी रोक लगे। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों को निर्देशित किया गया है कि वे खान के भाषणों, बयानों, ट्वीट को प्रकाशित या प्रसारित न करें या उनकी तस्वीरों को प्रदर्शित न करें। अधिकारी ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इमरान खान का मीडिया कवरेज पूरी तरह बंद हो।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना पर शोक जताया

जिनेंवा । संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष चाबा कोरोशी ने ओडिशा में हुए भीषण ट्रेन हादसे को लेकर पीड़ित परिवारों के प्रति शोक जताया है। इस हादसे में 233 से ज्यादा यात्रियों के मारे जाने और 900 से अधिक यात्रियों के घायल होने की खबर है। शुक्रवार का हादसा भारत में हुई अब तक की सबसे भीषण रेल दुर्घटनाओं में से एक है, जिसमें ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेन एक के बाद एक भयावह तरीके से एक-दूसरे से टकरा गईं। हादसे के बाद बालासोर में व्यापक राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। संरा महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष कोरोशी ने ट्वीट किया कि भारत के ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों, उनके परिवारों और आपातकालीन सेवाओं के साथ हैं।

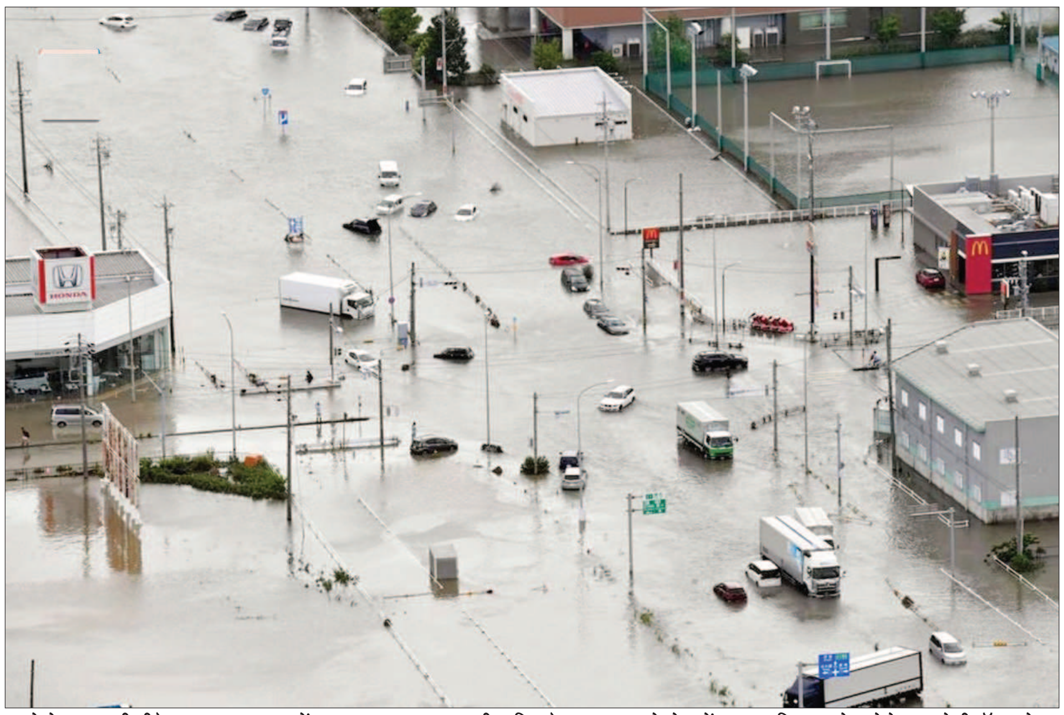

टोयोकावा, एची प्रीफेक्चर, मध्य जापान में टाइफून मावर द्वारा भारी बारिश के बाद बाढ़ वाले क्षेत्र में बचाव अभियान को क्योडो न्यूज हेलीकॉप्टर से चित्रित किया गया।

पाक सरकार ने अगले वित्त वर्ष के बजट में बढ़ोतरी की, दिए इस साल आम चुनाव कराने के संकेत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने अगले वित्त वर्ष के आम बजट में भारी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। ऐसे में इस बात के मजबूत संकेत मिलते हैं कि इस साल समय पर आम चुनाव कराए जा सकते हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के संघीय विकास बजट में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव है और इसे बढ़ाकर 950 अरब रुपये कर दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र विकास कार्यक्रम (पीएसडीपी) के बजट को पहले प्रस्तावित 700 अरब रुपये से बढ़ाकर 950 अरब रुपये करने का फैसला लिया गया है। वार्षिक योजना समन्वय समिति (एपीसीसी) की शुक्रवार को होने वाली बैठक से कुछ समय पहले प्रधानमंत्री शरीफ ने यह फैसला लिया। एपीसीसी ने संघीय सरकार और चार प्रांतों के खर्च के लिए कुल 2500 अरब रुपयेके राष्ट्रीय विकास परिव्यय की सिफारिश की। एपीसीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कृषि में 3.5 प्रतिशत, उद्योगों में 3.4 प्रतिशत और सेवाओं में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.5 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य तय किया है। अगले वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य 21 प्रतिशत है।

अखंड भारत के नक्शे पर नेपाल-पाकिस्तान ने आपत्ति जताई, अब भारत ने दी सफाई

केवल मौर्य साम्राज्य के प्रसार को दिखाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए संसद भवन की एक तस्वीर लगातार चर्चा में बनी हुई है। दरअसल, नए संसद भवन में अखंड भारत का एक नक्शा भी लगा हुआ है। अखंड भारत के इस नए नक्शे को देख कई देशों की बेचैनी भी बढ़ गई है। पाकिस्तान में तो भारत की नई संसद में लगे इस अखंड भारत के नक्शे को लेकर चर्चा तेज है ही। लेकिन एक और पड़ोसी मुल्क नेपाल भी इस पर चितिंत हो उठा है। जिसके बाद अब भारत ने नए संसद भवन के अंदर 'अखंड भारत' के भित्ति चित्र पर पड़ोसी देशों नेपाल और पाकिस्तान के नाराज होने के बाद सफाई दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विचाराधीन भित्ति चित्र अशोक साम्राज्य के प्रसार को दर्शाता है। यह जन-केंद्रित है।

नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भित्तिचित्र की एक तस्वीर ट्वीट की थी, जिसका शीर्षक था, 'संकल्प स्पष्ट है - अखंड भारत। इससे नेपाल में

विरोध तेज हो गया है। नेपाल के पूर्व प्रधान मंत्री बाबूराम भट्टाराई ने एक बयान में कहा कि इस नक्श में भारत के अधिकांश निकटतम पड़ोसियों के बीच पहले से ही द्विपक्षीय संबंधों को खराब करने वाले विश्वास की कमी को और अधिक बढ़ाने की क्षमता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भी नक्शे का विरोध किया है। 'अखंड भारत' से जोड़ने वाले एक केंद्रीय मंत्री सहित कुछ भाजपा नेताओं के बयानों से हम स्तब्ध हैं। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलोच ने कहा, 'अखंड भारत'' का अनावश्यक दावा एक संशोधनवादी और विस्तारवादी मानसिकता का प्रकटीकरण है, जो न केवल भारत के पड़ोसी देशों बल्कि अपने स्वयं के धार्मिक अल्पसंख्यकों की पहचान और संस्कृति को भी अपने अधीन करना चाहता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने स्पष्ट किया कि भित्तिचित्र का मुद्दा नेपाली नेता द्वारा नहीं उठाया गया था। उन्होंने कहा कि इसलिए मुझे नहीं पता कि विरोध अभी भी जारी है या नहीं। निश्चित रूप से नेपाली पक्ष ने इसे नहीं उठाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि भित्तिचित्र अखंड भारत के बारे में नहीं था, बल्कि प्राचीन मौर्य साम्राज्य का विस्तार था।बागची ने कहा, भित्तिचित्र अशोक के साम्राज्य के प्रसार और जिम्मेदार और जन-उन्मुख शासन के विचार को दर्शाती है, जिसे उन्होंने अपनाया और प्रचारित किया। भित्तिचित्र और इसके सामने लगी

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन रविवार से भारत की दो दिवसीय यात्रा करेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन रविवार से भारत की दो दिवसीय यात्रा की शुरुआत करेंगे। ऑस्टिन की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाशिंगटन की प्रस्तावित यात्रा से करीब दो सप्ताह से अधिक समय पहले हो रही है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्टिन सोमवार को रक्षा सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर बातचीत करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा मंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा के लिए रविवार को सिंगापुर से नयी दिल्ली पहुंचेंगे। ऑस्टिन की यह दूसरी भारत यात्रा होगी। इससे पहले, उन्होंने मार्च 2021 में भारत की यात्रा की थी। मंत्रालय ने कहा कि जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस भी राजनाथ के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए नयी दिल्ली की यात्रा करेंगे। दोनों नेताओं के बीच छह जून को वार्ता होगी। मंत्रालय के अनुसार, ऑस्टिन और पिस्टोरियस के साथ राजनाथ की बैठक के दौरान औद्योगिक सहयोग के साथ-साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

अमेरिका में शाही परिवार की हवेली के पास दिखाई दिए एलियंस

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दुनिया के कई देशों में एलियंस के यान यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) देखने के दावे होते रहे हैं। कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया में किसानों ने भी कहा था कि एलियंस आते हैं और उनकी गायों के कान, नाक काटकर ले जाते हैं। एक पायलट ने भी आसमान में यूएफओ द्वारा पीछा करने की बात कही थी। अब इन बातों में कितनी सच्चाई है, इसकी तब जांच एक्सपर्ट कर रहे हैं। इसी बीच ब्रिटिश शाही परिवार के घर तक एलियन के पहुंचने की बात सामने आई है। अमेरिका में स्थित उनकी हवेली के बिल्कुल करीब एक गोलाकार चीज देखी गई है, जिसे एलियन का यान यानी उड़नतस्तरी बताया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश राजघराने के पूर्व प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन ने 2021 में लॉस एंजेलिस में एक आलीशान हवेली खरीदी थी। उनका इरादा यहां गर्मी की छुट्टियां बिताना था। कुल 18 हजार वर्ग फुट में बने इस महलनुमा घर में 9 बेडरूम और 16 बाथरूम हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तब 14 मिलियन डॉलर यानी तकरीबन 1.15 अरब रुपये का खर्च आया था। अब इसी हवेली से कुछ दूर उड़नतस्तरी देखने का दावा हो रहा है।

यूएफओ एक्सपर्ट टोनी मोरेना ने गूगल अर्थ के जरिए इसकी तस्वीर भी ली। उन्होंने बताया कि हैरी के घर से तकरीबन 25 मील की दूरी पर यूएफओ देखा गया। दूर से यह एक रहस्यमयी चीज नजर आई, जो गोलकार थी। इसकी चौड़ाई लगभग 8 मीटर रही होगी। इसके चारों ओर कुछ लिखा हुआ नजर आ रहा था, लेकिन दूरी इतनी ज्यादा है कि पहचान पाना मुश्किल है। भाषा भी अजीबोगरीब है। तमाम विशेषज्ञ इस यूएफओ होने का दावा कर रहे हैं, हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका के इस इलाके में दिसंबर 2018 से नवंबर 2000 के बीच 29 बार रहस्यमयी उड़ने वाली चीजें देखे जाने का दावा किया गया। रक्षा विभाग को भी 27 साल में 800 से ज्यादा अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट देखे जाने की जानकारी मिली थी।

छिपा है कौन सा रहस्य? जमीन में 10 हजार मीटर गहरा गड्ढा कर रहा चीन

16 हजार मस्जिदें कर दी गायब

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में मुसलमान और सरकार आमने-सामने हैं। चीन में मुसलमानों की मस्जिद को तोड़ने का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि उसके बाद ये खबर आई कि चीन ने एक और मुस्लिम इलाके में दुनिया का सबसे बड़ा गड्ढा खोदना शुरू कर दिया है। चीन इस मुस्लिम इलाके में 10 हजार मीटर गहरा गड्ढा खोद रहा है। ये गड्ढा भारत से ज्यादा दूर नहीं है। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में यहां तक दावा किया गया है कि चीन 1-2 नहीं बल्कि 16 हजार मस्जिदों को निकल चुका है।

करना क्या चाहता है चीन

चीनी वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की क्रस्ट में 10 हजार मीटर (10 किमी या 32,808 फीट) गहरा छेद करना शुरू कर दिया है। चीन सतह के ऊपर और नीचे नई सीमाओं को खोजना चाहता है। चीन ने अब तक के सबसे गहरे बोरहोल के लिए ड्रिलिंग मंगलवार को देश के तेल-समृद्ध शिंजियांग क्षेत्र में शुरू की। इस समय धरती पर सबसे गहरा होल रूस में है। यह प्रोजेक्ट बेहद मुश्किल है। चाइनीज एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के एक वैज्ञानिक सन जिनशेंग ने ड्रिलिंग के दौरान आने वाली कठिनाई की तुलना 'दो पतले तारों पर चलने वाले बड़े ट्रक' से की है।

16 हजार मस्जिद गायब होने का दावा

दरअसल, चीन इस्लाम से जुड़ी सभी चीजों को

धीरे-धीरे करके मिटा रहा है। चीनी सरकार ने अभियन छेड़ा हुआ है कि वो देश की सभी मस्जिदों पर मेड इन चाइना छाप छोड़ देगा। मतलब साफ है कि या तो वो मस्जिदों को पूरी तरह तोड़ देगा या फिर उसकी बनावट को ही बदल देगा। चीन के हुनान प्रांत में हाल ही में एक मस्जिद के पुनर्निमाण के दौरान पुलिस और लोगों के बीच झड़प हो गई। युन्नान प्रांत में जातीय रूप से हुई मुसलमानों के लिए इबादत और धार्मिक शिक्षा की एक महत्वपूर्ण नजियायिंग मस्जिद के गुबंद और मिनार को तोड़ने की कोशिश करने पर भीड़ के साथ झड़प हुई। बताया जा रहा है कि ये मस्जिद कई सौ साल पुरानी है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले कुछ सालों में चीन ने युन्नान और शिनजियांग के इलाकों में 16 हजार मस्जिदों को तोड़ दिया है। ये वही इलाका है जहां उईगर मुस्लिम रहते हैं।

कंगाली के दौर में पहुंचा पाकिस्तान, यूएई और सऊदी अरब ने भी हाथ खड़े किए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान इन दिनों बदहाली का शिकार हो रहा है। कर्ज का बोझ इतना है कि यूएई और सऊदी अरब ने भी अब हाथ खड़े कर दिए हैं। यहां बीते साल भर से राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक बदहाली जैसी डबल चुनौतियों से जूझ रहा है। भ्रष्टाचार के आरोप में खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तानी राजनीति में अस्थिरता भी चरम पर पहुंच गई। जिससे देश भर के प्रमुख शहरों में हिंसा भड़क गई। हंगामे ने खाड़ी में पाकिस्तान के सहयोगियों, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब के बीच चिंता की लकीरें पैदा कर दी हैं। दोनों देशों ने पहले पाकिस्तान के लिए वित्तीय सहायता का वादा किया था। आंशिक रूप से पाकिस्तान में राजनीतिक अराजकता को बढ़ावा देना देश की गंभीर आर्थिक स्थिति है। मुद्रास्फीति हाल ही में 35.4 प्र?तिशत के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई है। पिछले एक साल में ही पाकिस्तानी रुपये की कीमत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आधी हो गई है। सरकार के लिए शायद सबसे गंभीर बात यह है कि पाकिस्तान बाहरी कर्ज संकट का सामना कर रहा है।

जानकारी के अनुसार दिसंबर 2022 में इस्लामाबाद की बाहरी देनदारियां 126 बिलियन डॉलर से अधिक थीं। उच्च ब्याज दरों और मजबूत ग्रीनबैक के माहौल के बीच, ये डॉलर-मूल्यवान ऋण सेवा के लिए अधिक महंगे हो गए हैं। विशेष रूप से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के रूप में - स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने दिसंबर में घोषणा की कि उसका विदेशी मुद्रा भंडार चार साल के निचले स्तर 6.7 बिलियन डॉलर तक गिर गया है। इस बात की चिंता बढ़ रही है कि इस्लामाबाद अपने ऋणों पर चूक करेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) डिफॉल्ट से बचने के लिए बेलआउट पैकेज को लेकर पाकिस्तान के साथ बातचीत कर रहा है। 2019 में पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ 6 बिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके एक साल बाद 1 बिलियन डॉलर के समझौते पर सहमति बनी।

कराची में एक ब्रोकरेज हाउस, टॉपलाइन सिक्योरिटीज के सीईओ मोहम्मद सोहेल ने बताया कि इस तरह की मांग प्रक्रिया का एक सामान्य हिस्सा है, लेकिन इस बात पर संदेह है कि क्या यूएई और अन्य सहयोगी बढ़ते राजनीतिक संकट को देखते हुए आगे धन की पेशकश करने के लिए तैयार होंगे। उन्होंने कहा ?कि चीन, यूएई और सऊदी अरब पहले ही आईएमएफ को प्रतिबद्धता प्रदान कर चुके हैं। हालांकि, करीब 2 अरब डॉलर की प्रतिबद्धताएं अभी भी लंबित हैं। वर्तमान

राजनीतिक अस्थिरता के बीच यूएई और सऊदी अरब पाकिस्तान का साथ देता है, तो यह जोखिमों से भरा होगा। दोनों देशों के पाकिस्तान के साथ मजबूत व्यावसायिक रिश्ते हैं। लगभग 20 करोड़ से अधिक आबादी वाला पाकिस्तान सऊदी अरब और यूएई दोनों देशों के लिए एक बड़ा बाजार है। पाकिस्तान के आर्थिक संकट से पाकिस्तान-गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल ट्रेड डील की व्यावहारिकता पर भी सवाल उठ सकते हैं।

समाज सुधारक थे कबीर दास

रमेश सर्राफ धमोरा

हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के तौर पर याद किए जाने वाले संत कवि कबीर धार्मिक सामंजस्य और भाई-चारे की जो विरासत छोडकर गए हैं। उसे इस मगहर में जीवंत रूप में देखा जा सकता है। मगहर देश भर में फैले कबीरपंथियों की आस्था का मुख्य केंद्र है। दुनिया भर में कबीर के करोड़ों अनुयायी हैं। उन्होंने जाति व्यवस्था, मूर्ति पूजा और तीर्थ यात्रा को अस्वीकार कर दिया। कबीर ने दोहों के नाम से जाने जाने वाले सरल दोहों के माध्यम से उपदेश दिया। कबीर दास ने अपनी भाषा सरल और सुबोध रखी ताकि वह आम आदमी तक पहुंच सके।

कबीर दास जी हमारे हिंदी साहित्य के एक जाने माने महान कवि होने के साथ ही एक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने समाज में हो रहे अत्याचारों और कुरीतिओं को खत्म करने की बहुत कोशिश की। जिसके लिये उन्हें समाज से बहिष्कृत भी होना पड़ा। परन्तु वे अपने इरादों में अडिग रहे और अपनी अंतिम श्वास तक जगत कल्याण के लिये जीते रहे। उन्होने समाज में व्याप्त रूढ़ियों तथा अन्धविश्वासों पर करारा व्यंग्य किया है। उन्होने धर्म का सम्बन्ध सत्य से जोड़कर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परम्परा का खण्डन किया है। कबीर ने मानव जाति को सर्वश्रेष्ठ बताते हुये कहा था कि इसमें कोई भी ऊंचा या नीचा नहीं है।

संत कबीर दास जी का जन्म संवत 1455 की ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को बनारस में हुआ था। इसीलिए ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के दिन देश भर में कबीर जयंती मनाई जाती है। कबीर दास के नाम पर कबीरपंथी नामक संप्रदाय आज भी प्रचलित है। इस संप्रदाय के लोग संत कबीर को भगवान के रूप में पूजते हैं। संत कबीर दास समाज में फैले आडम्बरों के सख्त विरोधी थे। उन्होंने लोगों को एकता के सूत्र का पाठ पढ़ाया। वे लेखक और कवि थे। उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर ने जिस भाषा में लिखा वह लोक प्रचलित तथा सरल भाषा थी। उन्होंने कहीं से विधिवत शिक्षा नहीं ग्रहण की थी। इसके बावजूद वे दिव्य प्रभाव के धनी थे।

कबीर मानव मात्र को एक मानते थे। वे जात-पांत, कुल-वंश, रक्त, नस्ल के आधार पर मनुष्य में अंतर करने के विरुद्ध थे। उनका विचार था कि सभी कुदरत के बन्दे हैं। कबीरदास आडम्बर, मिथ्याचार एवं कर्मकाण्ड के विरोधी थे। कबीर की भाषाएं पंचमेल खिचड़ी हैं। इनकी भाषा में हिंदी भाषा की सभी बोलियों की भाषा सम्मिलित हैं। राजस्थानी, हरयाणवी, पंजाबी, खड़ी बोली, अवधी, ब्रजभाषा के शब्दों की बहुलता है। कबीर मौखिक परंपरा के कवि थे। उन्होंने स्वयं ग्रंथ नहीं लिखे। उनके उपदेशों को बीजक में उनके अनुयायियों द्वारा संरक्षित किया गया था। कबीर दास एक ही ईश्वर को मानते थे और कर्मकाण्ड के घोर विरोधी थे।

कबीर के गुरु के सम्बन्ध में प्रचलित कथन है कि कबीर को उपयुक्त गुरु की तलाश थी। वह वैष्णव संत आचार्य रामानंद को अपना अपना गुरु बनाना चाहते थे। लेकिन उन्होंने कबीर को शिष्य बनाने से मना कर दिया था। लेकिन कबीर ने अपने मन में ठान लिया कि स्वामी रामानंद को ही हर कीमत पर अपना गुरु बनाऊंगा। इसके लिए कबीर के मन में एक विचार आया कि स्वामी रामानंद जी सुबह चार बजे गंगा स्नान करने जाते हैं। उसके पहले ही उनके जाने के मार्ग में सीढियों पर लेट जाऊंगा और उन्होंने ऐसा ही किया। एक दिन कबीर पंचगंगा घाट की सीढियों पर लेट गये। रामानन्द जी गंगास्नान करने के लिये सीढियां उतर रहे थे कि तभी उनका पैर कबीर के शरीर पर पड़ गया। उनके मुख से तत्काल राम-राम शब्द निकल पड़ा। उसी राम को कबीर ने दीक्षा-मन्त्र मान लिया और रामानन्द जी को अपना गुरु स्वीकार कर लिया।

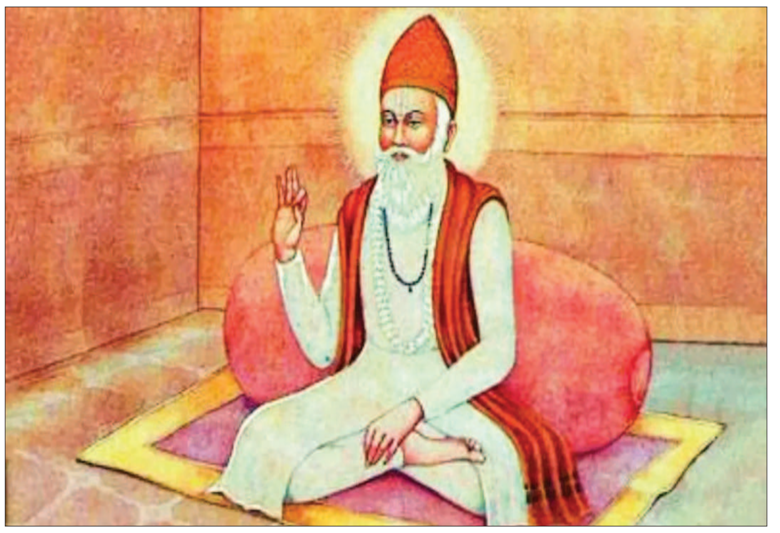

कबीरदास समाज के इतने बेबाक, साफ मन के कवि हुये जो समाज को स्वर्ग और नर्क के मिथ्या भ्रम से बाहर निकालते हैं। कबीरदास को हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहां फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए।

जीविकोपार्जन के लिए कबीर जुलाहे का काम करते थे। कबीर की दृढ़ मान्यता थी कि कर्मों के अनुसार ही गति मिलती है स्थान विशेष के कारण नहीं। अपनी इस मान्यता को सिद्ध करने के लिए अंत समय में वह मगहर चले गए। क्योंकि लोगों में मान्यता थी कि काशी में मरने पर स्वर्ग और मगहर में मरने पर नरक मिलता है। मगहर में उन्होंने अंतिम साँस ली। आज भी वहां उनकी मजार व समाधी स्थित है।

संत कबीरदास वाराणसी में पैदा हुए और लगभग पूरा जीवन उन्होंने वाराणसी यानी काशी में ही बिताया था। जीवन के आखिरी समय वो मगहर चले आए और अब से पांच सौ साल पहले वर्ष 1518 में यहीं उनकी मृत्यु हुई। कबीर स्वेच्छा से मगहर आए थे और इसी किंवदंती या अंधविश्वास को तोडना चाहते थे कि काशी में मोक्ष मिलता है और मगहर में नरक।

वास्तव में कबीर केवल कवि नहीं, बल्कि कुशल शिल्पकार, सुयोग्य अभिभावक एवं शिक्षक के साथ जीवन की वास्तविकता एवं सत्यता का मार्ग दिखाने वाले आध्यात्मिक महापुरुष थे। संत कबीर दास भक्ति आंदोलन के समर्थक थे। कबीर दास की विरासत अभी भी कबीर पंथ के रूप में संदर्भित एक संप्रदाय के माध्यम से बनी हुई है। एक आध्यात्मिक समुदाय जो उन्हें संस्थापक मानता है। कबीर पंथ एक अलग धर्म नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक दर्शन है।

कबीर अपनी कविताओं में स्वयं को जुलाहा और कोरी कहते हैं। उन्होंने व्यक्ति के सुधार पर इसलिए बल दिया क्योंकि व्यक्तियों से ही समाज बनता है। वे चाहते थे कि हिंदू और मुसलमान में जो विडंबना है उसे खत्म कर उनमें भाईचारे की भावना उत्पन्न कर सके। वो साधु या ढोंगी और अंधविश्वासों को भी समाप्त करना चाहते थे। इसीलिये उनको आज भी समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है।

हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के तौर पर याद किए जाने वाले संत कवि कबीर धार्मिक सामंजस्य और भाई-चारे की जो विरासत छोडकर गए हैं। उसे इस मगहर में जीवंत रूप में देखा जा सकता है। मगहर देश भर में फैले कबीरपंथियों की आस्था का मुख्य केंद्र है। दुनिया भर में कबीर के करोड़ों अनुयायी हैं। उन्होंने जाति व्यवस्था, मूर्ति पूजा और तीर्थ यात्रा को अस्वीकार कर दिया। कबीर ने दोहों के नाम से जाने जाने वाले सरल दोहों के माध्यम से उपदेश दिया। कबीर दास ने अपनी भाषा सरल और सुबोध रखी ताकि वह आम आदमी तक पहुंच सके। कबीर को शांतिमय जीवन प्रिय था और वे अहिंसा, सत्य, सदाचार आदि गुणों के प्रशंसक थे। अपनी सरलता, साधु स्वभाव तथा संत प्रवृत्ति के कारण आज विदेशों में भी लोग उनके बताये मार्ग का अनुशरण कर रहे हैं।

संपादकीय

रिश्तों में गर्मजोशी

पिछले साल के अंत में जब नेपाल की राजनीति में हुए नाटकीय घटनाक्रम के बाद कम्युनिस्ट नेता पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो कयास लगाये जा रहे थे कि अब नेपाल पूरी तरह चीन के प्रभाव में जा सकता है। इसकी वजह लंबे समय से भारत के खिलाफ नेपाल से चलाया जा रहा अभियान भी था। अब जब प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत को चुना तो कई आशंकाओं पर विराम लगा। फिर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जिस गर्मजोशी से उनकी मुलाकात हुई और महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया गया, उससे दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आते दिखे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मुलाकात में सीमा विवाद और अग्निवीर जैसे विवादास्पद विषयों से परहेज किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी का बयान कि दोनों देश अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाई तक ले जाएंगे, भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाता है। कहना अतिरंजित होगा कि दोनों देशों के रिश्ते इस यात्रा से हिट-सुपरहिट हो गये, लेकिन रिश्तों पर जमी अविश्वास की बर्फ किसी हद तक पिघली जरूर है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच ऊर्जा, व्यापार व परिवहन को लेकर हुए समझौते नई उम्मीद जगाते हैं। निस्संदेह, भारत व नेपाल के बीच सदियों से सामाजिक, आर्थिक व समृद्ध सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। कहा जा सकता है कि दोनों देशों में रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है। प्रचंड की हालिया भारत यात्रा के दौरान हुए महत्वपूर्ण समझौतों ने उन्हीं संबंधों को नये सिरे से ऊर्जा प्रदान की है। जो निश्चित रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को नये आयाम देगी। निश्चय ही कुछ समय से रिश्तों में चली आ रही तल्खी पर अब विराम लग सकेगा। नेपाल के साथ भारत की लंबी सीमा लगती है और देश के पांच राज्य उससे प्रभावित होते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित इस गर्मजोशी के मूल में नेपाल से सटे राज्यों में आगामी आम चुनाव में लाभ लेने की मंशा भी जताते हैं।

बहरहाल, दक्षिण एशिया में शांति के दृष्टिगत दोनों देशों के मधुर संबंध वक्त की जरूरत भी हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में आई खटास को दूर करना भी बेहद जरूरी था क्योंकि चीन इस स्थिति का लाभ उठाने का कोई मौका नहीं चूकना चाहता है। वह नेपाल की अंदरूनी राजनीति में लगातार हस्तक्षेप करता रहा है। उसकी शह पर ही नेपाल में यह कुप्रचार किया जाता रहा है कि भारत उसके कई इलाकों पर कब्जा करना चाहता है। वहीं दूसरी ओर कई विकास परियोजनाओं में चीन की लगातार बढ़ती भागीदारी भी भारत की चिंता का विषय रहा है। बहरहाल, मतभेद व मनभेद को दूर करके आपसी सामंजस्य व सौहार्द के जरिये दोनों देशों में रिश्ते मजबूत करने के हालिया प्रयासों के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। निश्चय ही संवाद से ही दोनों देशों के संबंध बेहतर हो सकते हैं। साथ ही क्षेत्र में समृद्धि और शांति की राह प्रशस्त हो सकती है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के चलते नेपाल में पन बिजली उत्पादन की अपार संभावनाओं के मद्देनजर भारत ने नई परियोजनाओं में सहयोग का वायदा किया है। भारत ने केवल नेपाल से बिजली खरीद रहा है बल्कि नेपाली विदेश नीति को संबल के लिये देश के माध्यम से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति में सहयोग भी करेगा। इससे तीनों देशों के संबंधों को संबल मिलेगा। यही वजह है कि प्रचंड ने नरेंद्र मोदी की 'पहले पड़ोसी' की नीति को सराहा है। निश्चित रूप से इस बार की प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान नेपाल के लिये भारतीय कार्गो ट्रेन की शुरुआत, मोतिहारी से नेपाल में अमेलखगंज तक तेल पाइपलाइन, इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट, व्यापार सुगमता के लिये डिजिटल भुगतान समझौते दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देंगे। वहीं बिजली उत्पादन के लिये दीर्घकालीन समझौता दूरगामी सोच का विस्तार है। दूसरी ओर दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिये रामायण सर्किट योजना पर प्रचंड की सहमति दोनों देशों के लिये शुभसंकेत ही है। जाहिर है दोनों देशों के दीर्घकालीन हितों की पूर्ति के लिये रिश्तों की यह गर्मजोशी बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

एक ही स्थान पर तीन ट्रेनों का एक्सीडेंट सैकड़ों की मौत

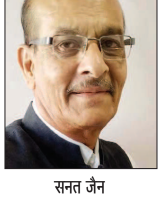

सनत जैन

उड़ीसा के बालासोर जिले के बहानागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार की शाम को भीषण ट्रेन हादसा हुआ। इसमें 280 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। सैकड़ों लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। 900 से ज्यादा घायलों को विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दोनों ट्रेनों में हजारों यात्री थे। यह हादसा बेंगलुरु से हावड़ा जा रही यशवंतपुर हावड़ा ट्रेन के डिब्बे उतरकर,दूसरे ट्रैक पर गिरे। इसी दौरान दूसरी ओर से शालीमार चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस, दूसरे ट्रैक में गिरे हुए डिब्बों से टकराई। यह एक्सीडेंट इतना भयानक था। यात्री ट्रेन का इंजन ओर कुछ डिब्बे बगल में खड़ी मालगाड़ी की बोगियों से टकराए । एक साथ तीन ट्रेनों के एक्सीडेंट के कारण दोनों यात्री ट्रेनों में हजारों की संख्या में यात्री सवार थे। वह बुरी तरह घायल हो गए। इस एक्सीडेंट में जो यात्री घायल हुए हैं, उनमें कई यात्रियों के हाथ पैर कट गए। 300 से ज्यादा यात्री लापता बताए जा रहे हैं। दोनों ट्रेन की दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी। बचाव कार्य करने जो दल गया, उसे काफी मेहनत करना पड़ी। देर रात तक लगातार बचाव कार्य चल रहा था। मृतकों और घायलों की सही संख्या की जानकारी रेलवे प्रशासन नहीं दे पाया। ट्रेन के डिब्बे कैसे दूसरे ट्रैक में जाकर गिर गए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है, कि रेलवे द्वारा ट्रेन संचालन में किस हद तक की लापरवाही बरती जा रही है।

जिस तरह ट्रेनों की गति बढ़ाई जा रही है। उस को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने मे रेलवे घोर लापरवाही बरत रहा है। जिसके कारण लगातार रेल हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। 9 साल में 8 बड़े ट्रेन हादसे हुए हैं। जिनमें अधिकृत रूप से 400 से अधिक यात्रियों की मौत हुई है। 20 नवंबर 2016 को इंदौर राजेंद्र नगर ट्रेन हादसे में 152 से ज्यादा यात्रियों की मौत हुई थी। यह शुरूआती आंकड़े हैं, घटना के बाद बताए जाते हैं। घायलों और मृतकों की संख्या उससे कई गुना ज्यादा होती है। आए दिन ट्रेन हादसे बढ़ रहे हैं। इसमें कर्मचारियों और अधिकारियों की लापरवाही के साथ-साथ, टेक्नोलॉजी पर ज्यादा भरोसा करने के कारण, अनदेखी की जा रही है। उसके कारण रेलवे का सफर जोखिम भरा होता जा रहा है। बालासोर में हुआ ट्रेन हादसा इसलिए भी भयानक है, कि एक ही स्थान पर तीन ट्रेनों का एक्सीडेंट हुआ। इसमें 2 यात्री ट्रेन थी। इसके कई कोच चलती ट्रेन से टूटकर दूसरे ट्रैक पर गिरे। किसी भी दूसरे ट्रैक से आ रही गाड़ी भी दुर्घटनाग्रस्त हुई। दोनों ट्रेनों के कोच बुरी तरह से तबाह हुये। शाम को हुई दो ट्रेनों की भयानक दुर्घटना के बचाव कार्य में काफी विलंब हुआ। यात्री घंटों रोते बिलखते तड़पते रहे। रेल प्रशासन और स्थानीय प्रशासन के बीच में समन्वय नहीं होने के कारण विलंब हुआ। कई घायलों की इलाज मिलने के पहले ही मौत हो गई।

रेलवे,जिस तरह से आधुनिकीकरण खूब बढ़ावा दे रहा है। ट्रेनों की गतिशीलता बढ़ा रहा है। उसके साथ यात्रियों की सुरक्षा और रेल आवागमन सुरक्षित हो। इस दिशा में प्रयास तो किए जाते हैं। लेकिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय नहीं किए जाने के कारण, रेलवे में लापरवाही लगातार बढ़ती ही जा रही है। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी तकनीकी के ऊपर आश्रित होकर गैर जिम्मेदार होने लगे हैं। जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

ट्रिपल ट्रेन हादसा जो हुआ है। ऐसी घटनाएं शायद ही कभी देखने को मिलती हैं। इस ट्रेन हादसे में यात्री ट्रेन का एक इंजन मालगाड़ी के बोगी के ऊपर चढ़ गया। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है, कि एक ही स्थान पर 3 ट्रेनों के बीच हादसा हुआ। सैकड़ों यात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसके जिम्मेदार दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और घटना के वास्तविक कारण कभी उजागर नहीं होंगे। सब एक दूसरे को बचाने पर लगे रहेंगे। पिछली घटनाओं के बाद जब रिपोर्ट प्रकाशित होती है। उससे यही साबित होता है, कि अपना पल्ला झाड़ने के लिए एक दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी डालकर बचने का प्रयास करते हैं। ऐसी जांच का कोई मतलब भी नहीं होता है।

पिछले वर्षों में रेलवे द्वारा नई नई ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। 120 किलोमीटर से लेकर 180 किलोमीटर तक की रफ्तार में चलने वाली ट्रेन के ट्रैक में जैसा सुधार होना चाहिए था। वैसा नहीं हुआ है। उसके बाद भी रेलवे अधा धुंध कमाई करने के लिए नई-नई फास्ट ट्रेन चला रहा है। रेलवे के पास पर्याप्त अधिकारी और कर्मचारी नहीं है। पिछले कई वर्षों रेलवे में भर्तियां नहीं हुई हैं। एक -एक कर्मचारी को चार चार लोगों का काम करना पड़ रहा है। रेलवे में जितनी अव्यवस्था अभी देखने को मिल रही है। इसके पहले कभी नहीं थी। रेलवे में ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है। यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ गई। लेकिन रेलवे में कर्मचारियों की संख्या लगातार घटाई जा रही है। यह रेलवे का कौन सा गणित है,यह तो भगवान ही जानता होगा। रेलवे की यात्रा में जोखिम बढ़ता ही जा रहा है। सारे काम ठेके पर दिए जा रहे हैं। जनता को स्वयं जागरूक होना पडेगा। बच्चा जब तक रोता नहीं है,तब तक मां भी उसे दूध नही पिलाती है। वर्तमान स्थिति में रेल यात्रियों को अपनी सुरक्षा और अधिकारों को लेकर सजग होना पड़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में निजी करण की आड़ में जिस तरीके की लापरवाही और भ्रष्टाचार रेलवे में हो रहा है समय रहते लगा नहीं लगाए जाने पर भारी नुकसान होना तय है।

किसी ग्रंथ से कम नहीं रणनीति

संदीप भूषण

इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सत्र का विजेता घोषित हो चुका है। गुजरात टाइटंस को हराकर चेन्नई सुपर किंग्स 5वीं बार लीग चैंपियन बनी है।

फाइनल मुकाबले में जीत का सेहरा बल्लेबाज डेवन कॉन्वे और ऋतुराज गायकवाड़ के साथ अंतिम दो गेंदों पर 10 रन बनाने वाले रविंद्र जड़ेजा के सिर बंधा है। हालांकि, इस मुकाबले में शून्य पर आउट होने वाले चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की चर्चा इन खिलाड़ियों से अधिक है। हो भी क्यों ना, लीग के इस सत्र में नजारा ही अलग था। धोनी जहां भी गए, पूरा स्टेडियम पीली जर्सी से पटा नजर आया। इसने साबित किया कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज से अधिक लोकप्रियता शायद ही किसी भारतीय खिलाड़ी की रही हो।

विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दमदार खिलाड़ी भी 41 वर्षीय इस क्रिकेटर के सामने फीके नजर आए। धोनी की इस लोकप्रियता का कारण बल्लेबाजी के साथ उनकी चतुर और रणनीतिक कप्तानी रही है। वे मैदान पर भले ही बेवजह की आक्रामकता नहीं दिखाते लेकिन उनकी रणनीति पूरी तरह से आक्रामक होती है। उनकी कैप्टन कूल की छवि के प्रशंसक दीवाने हैं। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में 1983 महज एक साल नहीं है। देश में पहले भी कई बड़े क्रिकेटर थे, लेकिन 25 जून, 1983 को लॉर्डस के मैदान पर जो हुआ, वो ऐतिहासिक था। आज 1983 की जीत की चर्चा इसलिए मौजूं है, क्योंकि इसके बाद करीब तीन दशक तक हमारे हाथ खाली रहे।

इस बीच, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों ने टीम की कमान संभाली, लेकिन हम वि कप ट्रॉफी नहीं जीत पाए। 2004 में विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल हुए धोनी ने 2007 टी-20 वि कप, 2011 वनडे वि कप और चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में हमारे सपने को पूरा किया। विकेट के पीछे खड़े होकर भी भारतीय टीम को दुनिया की शीर्ष टीम बनाया। आंकड़े बताते हैं कि हम पहली बार इस स्थिति में पहुंचे कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी टीमों को आंख दिखा सकें। यह मान सिर्फ खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन से नहीं, बल्कि माही जैसे सफल रणनीतिक कप्तान की बदौलत हासिल हुआ।

धोनी की कप्तानी में भारत ने कई कीर्तिमान रचे। उनके संन्यास के बाद टीम की धार धीरे-धीरे कम होने लगी। कोहली जैसे शानदार बल्लेबाज को कप्तान बनाया गया, लेकिन नतीजा 2007 से 2014 तक के स्तर तक नहीं पहुंचा। बाद में टीम की कमान रोहित शर्मा को सौंपी गई। पर वो भी धोनी जितने सफल नहीं रहे हैं। अब तो क्रिकेट के जानकारों और विदेशी दिग्गजों ने भी कहना शुरू कर दिया है कि धोनी जैसा सफल रणनीति वाला कप्तान मिलना भारत के लिए फिलहाल मुश्किल ही है। दरअसल, पहले यह दबाव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक सीमित था। बीते कुछ वर्षो में इसने इंडियन प्रीमियर लीग में टीम की कप्तानी करने वाले खिलाड़ियों को भी प्रभावित किया है। बात चाहे रॉयल चैलेंजर्स की कप्तानी करने वाले विराट की हो या मुंबई की कमान संभालने वाले रोहित की। इन युवाओं के सामने आईपीएल में भी चेन्नई सुपर किंग्स की अगुआई करने वाले 41 साल के धोनी से पार पाने की चुनौती रही है। गौर करें, तो पाएंगे कि धोनी की आईपीएल टीम में कोई बहुत बड़ा नाम नहीं है, न ही बहुत चमत्कारी खिलाड़ी हैं, फिर भी यह टीम 5वीं बार ट्रॉफी जीतने में सफल रही। यह किसी कप्तान के नजरिये से सीखने वाली बात है कि कैसे बिना हो-हल्ला किए कमजोर टीम साथियों से भी सर्वश्रेठ हासिल किया जा सकता है।

क्रिकेट के दिग्गज भी मानते हैं कि धोनी सिर्फ बल्लेबाजी या विकेटकीपिंग की वजह से शीर्ष कप्तान नहीं बने, उनके सटीक फैसलों ने उन्हें महान कप्तान की श्रेणी में खड़ा किया। उनमें मुश्किल परिस्थितियों में भी खुद को शांत रखने की गजब की क्षमता है। कठिन परिस्थितियों में उनके फैसलों ने टीम को कई बार जीत की दहलीज तक पहुंचाया। आज धोनी के संन्यास की चर्चा हर किसी की जुबान पर है। इसके

मूल में उनकी उम्र हो सकती है, लेकिन यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि आज भी इस खिलाड़ी की तेजी और फुर्ती में कोई कमी नहीं आई है। पलक झपकते ही वह बल्लेबाज की गिल्लियां उड़ा देते हैं। कप्तान के तौर पर भी उनकी रणनीति बेहद कारगर नजर आती है। ऐसे में किसी के लिए भी धोनी के संन्यास की खबरों पर मुहर लगा पाना मुश्किल होगा। हालांकि, इस बीच भारत के युवा खिलाड़ियों और कप्तानों को धोनी की मैदानी रणनीति सीखने के प्रयास शुरू कर देने चाहिए। धोनी आज भी टीम को खराब स्थिति से आसानी से बाहर निकालने के लिए जाने जाते हैं। इस खिलाड़ी में माद्दा है कि विकेट के पीछे खड़े होकर सामने वाली टीम के जबड़े से जीत छीन ले। ऐसे में भारत के युवाओं और फिलहाल नेतृत्व संभाल रहे कप्तानों के लिए उनकी रणनीति आज भी किसी ग्रंथ से कम नहीं है।

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुज़ारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत~ अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं~

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं~

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश्?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत~ कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

इस सप्ताह बाजार में आ सकते हैं मेनबोर्ड और एसएमई आईपीओ

मुंबई (ईएमएस)। इस साल अभी तक छह मेनबोर्ड और 57 एसएमई आईपीओ की दस्तक से बाजार गुलजार रहा है। इस साल का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ मैनकाइंड फार्मा का रहा है, जिसकी कीमत 4,300 करोड़ रुपए से अधिक है। कई कंपनियों ने अपना ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस फाइल किया है जो यह दर्शाता है कि आगे चलकर आईपीओ बाजार में तेजी आएगी। आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कमाई के बेहतर अवसर लेकर आ सकता है। 5 जून से 9 जून के बीच एक मेनबोर्ड आईपीओ और एक एसएमई आईपीओ के बाजार में दस्तक देने की उम्मीद है। आईं किओ लाइटिंग आईपीओ 6 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 8 जून को बंद होगा। आईपीओ के माध्यम से कंपनी 607 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के तहत कंपनी 350 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयरों जारी करेगी। प्रमोटरों द्वारा 90 लाख इक्विटी शेयरों को बिक्री के लिए पेश किया जाएगा। कंपनी ने प्राइस बैंड 270-285 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली 5 जून को खुलेगी।

गो फर्स्ट 26 विमानों के साथ परिचालन शुरू करेगी

मुंबई । नकदी संकट का सामना कर रही विमानन कंपनी गो फर्स्ट की 26 विमानों और 152 दैनिक उड़ानों के साथ परिचालन शुरू करने की योजना है। कंपनी ने विमानन नियामक डीजीसीए को पुनरुद्धार योजना सौंप दी है। इसके अलावा, एयरलाइन कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए कोष को वित्तीय संस्थानों के साथ भी बातचीत कर रही है। स्वैच्छिक ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया से गुजर रही एयरलाइन ने तीन मई से उड़ानें बंद कर दी थीं और उसे कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और पायलटों का भुगतान करना बाकी है।

महिंद्रा स्कारपियो क्लासिकएस5 ट्रिम करेगी पेश

-अभी तक नहीं किया कीमत का खुलासा

नई दिल्ली । महिंद्रा स्कारपियो क्लासिकएस5 ट्रिम पेश करने करने वाली है। इसे बेस एस और टॉप-स्पेक एस11 वेरिएंट के बीच पोजिशन किया जाएगा। कंपनी ने फिलहाल इसकी कीमत का खुलासा नही किया है। स्कारपियो एस5 में 17-इंच ड्यूल-टोन एलॉय व्हील, ब्लैक ओआरवीएमएस और रूफ रेल्स मिल सकते हैं। इसके अलावा एसयूवी में बॉडी कलर्ड बंपर, बॉडी क्लैडिंग और साइड स्टेप्स शामिल हो सकते हैं। बेस वेरिएंट के चलते इसमें कम सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। अनुमान है कि इसमें टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल जैसे फीचर्स नहीं मिलेंगे। महिंद्रा स्कारपियो क्लासिकएस5 में 2.2-लीटर डीजल इंजन दिए जाने की संभावना है जो 130 बीएचपी और 300 एनएम उत्पन्न करता है। इंजन को 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जोड़ा जाएगा, जो रियर एक्सल को ड्राइव करता है। बता दें कि स्कारपियो महिंद्रा का भारतीय बाज़ार में मौजूद एक लोकप्रिय प्रोडक्ट है। इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इसके सेल के आंकड़ों से लगाया जा सकता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 589.14 अरब डॉलर पर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 मई को समाप्त सप्ताह में 4.34 अरब डॉलर घटकर 589.14 अरब डॉलर रहा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह, देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.05 अरब डॉलर घटकर 593.48 अरब डॉलर रह गया था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाओं के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए के बचाव के लिए मुद्रा भंडार के उपयोग से इसमें गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 26 मई को समाप्त सप्ताह में, मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा, विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.01 अरब डॉलर घटकर 520.93 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 22.5 करोड़ डॉलर घटकर 44.90 अरब

डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.19 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार 1.7 करोड़ डॉलर घटकर 5.11 अरब डॉलर रह गया।

आईफोन 16 प्रो में होगा 6.27 इंच का डिस्प्ले !

सैन फ्रांसिस्को ।

एप्पल आईफोन 16 प्रो स्मार्टफोन में 6.27 इंच का डिस्प्ले होगा। रिपोर्ट के अनुसार, डिस्प्ले जानकार ने यह जानकारी साझा की। उन्होंने दावा किया कि आईफोन 16 प्रो मैक्स मॉडल 6.86-इंच डिस्प्ले के साथ आएगा। आईफोन 16 प्रो मॉडल के लिए आस्पेक्ट रेशियो 19.6ऱ9 होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, दूसरी ओर आईफोन 17 पीढ़ी के प्रो वेरिएंट को अंडर पैनल फेस आईडी प्लस होल फीचर मिलेगा और नॉन-प्रो वेरिएंट के एलटीपीओ बैकप्लेन और प्रोमोशन सपोर्ट के साथ आने की उम्मीद है। इसके पहले, अफवाह थी कि आईफोन 16 प्रो मैक्स पेरिस्कोप कैमरा पेश करने वाला एकमात्र आईफोन मॉडल होगा। आईफोन 16 प्रो स्मार्टफोन में अधिक उपयोगी प्रदर्शन क्षेत्र प्रदान करने के लिए अंडर-डिस्प्ले फेस आईडी तकनीक की सुविधा होने की भी उम्मीद है। पिछले साल अगस्त में, विश्लेषक मिंग-ची कुओ ने कहा था कि 2024 में हाई-एंड आईफोन अंडर-डिस्प्ले फेस आईडी के साथ-साथ एक अंडर-डिस्प्ले फ्रंट कैमरा अपनाएगा।

आरबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक पर लगाया 2.2 करोड़ का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आय निर्धारण से जुड़े नियमों का अनुपालन नहीं करने और नियामकीय अनुपालन में अन्य कमियों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पर 2.20 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए लगाया गया है। इनमें आय निर्धारण पर विवेकपूर्ण मानदंड, संपत्ति वर्गीकरण और अग्रिमों से संबंधित प्रावधान आदि शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता का इससे कोई सरोकार नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई द्वारा 31 मार्च, 2021 को बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2021) उसकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था। चेन्नई स्थित बैंक अपने आरक्षित कोष में वर्ष 2020-21 के लिए घोषित लाभ के 25 प्रतिशत के बराबर राशि का न्यूनतम अनिवार्य हस्तांतरण करने में विफल रहा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह हल्की बढ़त लेकर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक रुझानों से दो दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर हल्की बढ़त लेकर बंद हुए। बीते सप्ताह शेयर बाजार में पांच कारोबारी दिनों में से सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को तेजी और बुधवार और गुरुवार को गिरावट रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में मजबूत बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 500 अंकों की बढ़त के साथ 63000 पर खुला और 344.69 अंकों की बढ़त के साथ 62,846.38 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 122 अंकों की बढ़त के साथ 18600 पर खुला और 99.30 अंक उछलकर 18,598.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 121.9 अंकों की बढ़त के साथ 62968 पर खुला और 123 अंक उछलकर 62,969.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 47.80 अंकों की मजबूती के साथ 18,646.45 पर खुला और 35.20 अंकों की बढ़त के साथ 18,633.85 पर बंद

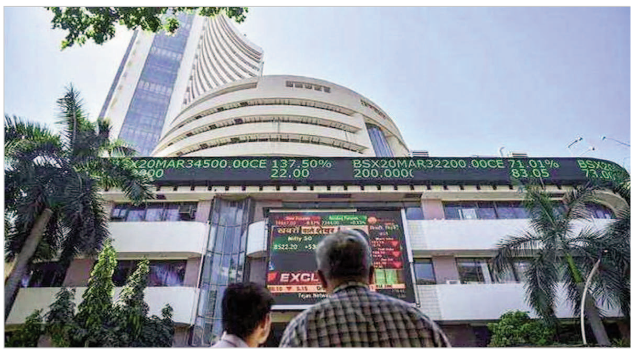

हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 131 अंक की गिरावट के साथ 62837 पर खुला और 346.89 अंक कमजोर होकर 62,622.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 32 अंक की गिरावट के साथ 18601 पर खुला और 110.35 अंक की गिरावट के साथ 18,523.50 पर बंद हुआ।

गुरुवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 77.28 अंक टूटकर 62,544.96 पर खुला और 193.70 अंक कमजोर होकर 62,428.54 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 15.35 अंक के नुकसान से 18,519.05 पर खुला और 50 अंक की गिरावट के साथ 18,485 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 62,650 पर खुला और 118 अंक चढ़कर 62,547 पर बंद हुआ। निफ्टी 80 उछलकर 18,570 पर खुला और 46 अंकों की मजबूती के साथ 18,534 पर बंद हुआ।

कंपनियों के अधिग्रहण से भी पीछे हट रहा अदाणी समूह

नई दिल्ली ।

मैक्वेरी की सड़क संपत्तियों को नहीं खरीदने के अलावा अदाणी समूह अब अन्य कंपनियों के अधिग्रहण से भी पीछे हट गया है। बैंकरों ने बताया कि समूह अब बिजली संयंत्र, एक खुदरा कंपनी, ऊर्जा व्यापार और सड़क परियोजनाओं का अधिग्रहण नहीं करने की योजना बनाई है। समूह अब नई संपत्तियों के अधिग्रहण के बजाय नकदी बचाने और ऋणों की समय पूर्व अदायगी पर ध्यान दे रहा है। एक निवेश बैंकर ने कहा` कि इस साल की शुरुआत कर बैंकर अदाणी समूह के साथ बिक्री के लिए हर संपत्ति पेश करेंगे। लेकिन समूह अब संपत्तियों की अधिग्रहण के बजाय व्यापार का विस्तार करना चाहता है इसलिए उसने नए अधिग्रहण पर सुस्ती कायम कर दी है। इस साल जनवरी से समूह छत्तीसगढ़ की दबाव वाले कोयला संयंत्र एसकेएस पावर के अधिग्रहण की दौर से बाहर हो गया था। इसी साल फरवरी में, समूह ने 7,000 करोड़ के उद्यम मूल्यांकन पर डीबी पावर की थर्मल पावर एसेट्स हासिल करने की योजना को भी रद्द कर दिया।

उसी महीने समूह ने पीटीसी इंडिया के साथ भी चल रही पेशकश से हाथ खींच लिए थे। इसके बाद, समूह ने फ्यूचर रिटेल के साथ भी कोई पेशकश नहीं की। समूह ने संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से फ्यूचर रिटले की संपत्ति खरीदने के लिए अपनी रुचि पत्र प्रस्तुत कर दिया था। बैंकरों का कहना है अधिग्रहण की दौर से अदाणी समूह के बाहर हो जाने से विदेशी निजी इक्विटी कंपनियों को अवसर मिलेगा, जो पहले से भी भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को खरीदने के इच्छुक हैं। अमेरिकी निजी इक्विटी की प्रमुख कंपनियां के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने के इच्छुक हैं जो बढ़िया रिटर्न देती हैं। आने वाले महीनों में समूह अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी ट्रांसमिशन और अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर बेचकर 29,000 करोड़ रुपए जुटाने पर ध्यान केंद्रित करेगा ताकि समूह अपने बकाये ऋण का समय पूर्व भुगतान कर सके और अपने कारोबार का विस्तार कर सके।

भारत में निवेश करने का मौका तलाश रहे वैश्विक निवेशक

नई दिल्ली । वैश्विक निवेशकों का भारत में निवेश को लेकर सकारात्मक रुझान बना हुआ है। कतर का पावर इंटरनेशनल होल्डिंग, अमेरिका का एचपीएस पार्टनर्स, फोर्ट्रेस इन्वेस्टमेंट ग्रुप भारत में प्राइवेट क्रेडिट क्षेत्र में निवेश को लेकर बातचीत कर रहा है। ये बड़े वैश्विक निवेशक भारत में 50 से 100 मिलियन डॉलर की निवेश कर सकते हैं। हालांकि, तीन कंपनियों की ओर से आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है, क्योंकि तीनों निवेशक भारत में प्राइवेट क्रेडिट में निवेश के मौके तलाश रहे हैं। वर इंटरनेशनल होल्डिंग एक बड़ा बिजनेस हाउस है। ग्रुप की ओर से जनरल कॉन्ट्रैक्टिंग, इंडस्ट्रीज एंड सर्विसेज, कृषि एंड फूड इंडस्ट्रीज, रियल एस्टेट और लाइफस्टाइल सेक्टर में निवेश किया गया है। एचपीएस पार्टनर्स ने कैपिटल सेक्टर में बॉन्ड्स और लोन आदि में निवेश के लिए जाना जाता है। अप्रैल तक कंपनी के पास 101 अरब डॉलर का एयूएम है, जिसमें से पब्लिक क्रेडिट 22 अरब डॉलर है और प्राइवेट क्रेडिट 79 अरब डॉलर है। फोर्ट्रेस इन्वेस्टमेंट ग्रुप का नाम भी बड़ी ग्लोबल इंवेस्टमेंट ग्रुप में शामिल है। 31 मार्च कर कंपनी का एयूएम 44.2 अरब डॉलर का था। मौजूदा समय में भारत की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले काफी अच्छा है। यहां लोन की मांग भी काफी तेजी से बढ़ रही है। इस कारण बड़े निवेशक इस क्षेत्र में निवेश को लेकर विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

शेयर बाजार में तेजी से बढ़ी ट्रेडिंग, 9 महीने का रिकॉर्ड टूटा

- मई में एफएंडओ ट्रेडिंग ने 252 लाख करोड़ का रिकॉर्ड स्तर छू लिया

मुंबई ।

बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) श्रेणी में औसत दैनिक ट्रेडिंग की मात्रा (वॉल्यूम) भी काफी बढ़ी है। मई में एफएंडओ ट्रेडिंग 252 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड छू आई, जो अप्रैल के 242 लाख करोड़ रुपए से 4 फीसदी अधिक है। उद्योग भागीदारों के मुताबिक ट्रेडिंग वॉल्यूम का शेयर भाव में उतार-चढ़ाव के साथ करीबी संबंध होता है। उन्होंने कहा कि इस समय ट्रेडिंग बाजार चढ़ने की वजह से बढ़ी है। निफ्टी मिडकैप सूचकांक अपनी सर्वकालिक ऊंचाई पर पहले ही पहुंच चुका है और सेंसेक्स तथा निफ्टी 1 दिसंबर की अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि नकद बाजार के वॉल्यूम में हो रही वृद्धि की मुख्य वजह शेयर बाजार की तेजी है। मई में सेंसेक्स और निफ्टी में 2-2 फीसदी से अधिक बढ़त दर्ज की गई। इससे उनका तीन महीने का लाभ बढ़कर 5 फीसदी हो गया। महीने के दौरान व्यापक बाजार का दमदार प्रदर्शन भी जारी रहा। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक में 6.2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 5.1 फीसदी चढ़ गया। इससे निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक का तीन महीने के लाभ 10 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक का तीन महीने में वे 5-5 फीसदी ऊपर चले गए।

उद्योग भागीदारों का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लिवाली के बीच बाजार में तेजी रहने से खुदरा खरीद भी बढ़ रही है। एफपीआई ने मई में 43,838 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जो पिछले अगस्त के बाद सबसे अधिक हैं। पिछले तीन महीनों में एफपीआई ने देसी शेयर बाजार में 70,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है।नकद श्रेणी में वॉल्यूम बढ़ना ब्रोकरेज उद्योग के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि एफएंओ के मुकाबले इस श्रेणी में उनका कमीशन ज्यादा होता है। 31 मई से लागू एमएससीआई के पुनर्संतुलन से भी ट्रेडिंग का कारोबार बढ़ गया है।

कच्चा तेल स्थिर, कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बदली

- ब्रेंट क्रूड 1.85 डॉलर की तेजी के साथ 76.13 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हल्की तेजी नजर आ रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.64 डॉलर बढ़कर 71.74 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी 1.85 डॉलर की तेजी के साथ 76.13 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने शे निवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कुछ राज्यों में बदलाव` किया है। गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 65 पैसे की गिरावट हुई है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल 28 पैसे सस्ता हुआ है। मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 28 पैसे सस्ता हुआ है। इसके अलावा भी कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हुए हैं। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 59 पैसे महंगा हुआ है। महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 19 पैसे का उछाल है। राजस्थान में पेट्रोल 47 पैसे और डीजल 43 पैसे महंगा हुआ है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 25 पैसे महंगा हुआ है। पश्चिम बंगाल समेत कुछ और अन्य राज्यों में ईंधन महंगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.65 रुपए और डीजल 94.25 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.56 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.30 रुपए और डीजल 94.09 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अरहर और उड़द दाल की बढ़ती कीमत रोकने सरकार ने उठाया सख्त कदम

- केंद्र सरकार ने थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, आयातकों के पास रखी दाल पर स्टॉक सीमा लगाई

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ समय से दाल की कीमतें तेज होती जा रही है। खासकर अरहर और उड़द जैसे दालों के दाम बढ़ रहे हैं। अब इनकी बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने एक खास कदम उठाया है। केंद्र सरकार का कहना है` कि इससे आम लोगों को फायदा पहुंचेगा। केंद्र सरकार ने थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, आयातकों और मिलरों के पास अक्टूबर तक के लिए रखी अरहर और उड़द दाल पर स्टॉक सीमा लगाई है। `जिससे जमाखोरी कम होगी, जिस कारण अरहर और उड़द के दाम में गिरावट आ सकती है या फिर दाम स्थिर रह सकते हैं। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय की ओर से जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल प्रभाव से इस संबंध में आदेश जारी किया गया। बता दें कि अरहर का एवरेज रिटेल प्राइस 19 फीसदी बढ़कर 122.68 रुपए प्रति किग्रा, जो एक साल पहले 103.25 रुपए प्रति किलो था। वहीं उड़द का एवरेज रिटेल प्राइस 105.05 रुपए से 5.26

प्रतिशत बढ़कर 110.58 रुपए प्रति किलो हो चुका है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 अक्टूबर 2023 तक अरहर और उड़द के लिए स्टॉक सीमा तय की गई है। आदेश के अनुसार थोक विक्रेताओं के लिए तुअर और उड़द की स्टॉक सीमा 200 टन, खुदरा विक्रेताओं और रिटेल शॉपर्स के लिए पांच टन और बड़े रिटेल विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 टन की स्टॉक लिमिट तय की गई है। एक अधिकारिक बयान में कहा गया है कि मिलरों के मामले में स्टॉक सीमा उत्पादन के अंतिम तीन महीने या वार्षिक स्थापित क्षमता का 25 प्रतिशत होगा जबकि आयातकों को सीमा शुल्क निकासी की तारीख से 30 दिनों से अधिक स्टॉक रखने की अनुमति नहीं है।

सस्ता होगा खाने का तेल, 12 रुपए तक घटेगी कीमत

नई दिल्ली ।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट का हवाला देते हुए खाद्य तेल कंपनियों को अधिकतम खुदरा मूल्य को तुरंत 8-12 प्रति लीटर कम करने के लिए कहा है। विभाग ने सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) सहित प्रमुख उद्योग निकायों के साथ बैठक में उपभोक्ताओं को तुरंत फायदा पहुंचाने के लिए कहा है। बता दें कि खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा एक महीने में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ आयोजित की गई यह दूसरी बैठक है। उद्योग प्रतिनिधियों ने बताया कि पिछले दो महीनों के दौरान विभिन्न खाद्य तेलों के वैश्विक मूल्यों में 150 से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन की गिरावट आई है। यह भी जानकारी दी कि उन्होंने खाद्य तेलों के अधिकमत खुदरा मूल्यों में काफी कमी की है और वे जल्दी ही इन खुदरा मूल्यों को और भी कम कर देंगे। हालांकि खुदरा बाजार में इसका प्रभाव पड़ने में समय अंतराल एक महत्वपूर्ण कारण है फिर भी खुदरा मूल्यों में जल्दी ही कमी आने की उम्मीद है। इससे पहले भी खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने प्रमुख खाद्य तेल संघों के साथ एक बैठक का आयोजन किया था और एक महीने में कुछ प्रमुख ब्रांडों के रिफाइंड सूरजमुखी तेल और रिफाइंड सोयाबीन तेल के अधिकतम खुदरा मूल्यों में 5 से 15 रुपए प्रति लीटर की कमी आई है। इसी प्रकार सरसों तेल और अन्य

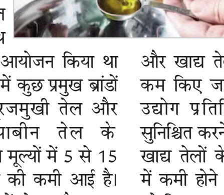

खाद्य तेलों के मामलों में भी इसी तरह की गिरावट दर्ज हुई है। तेल की कीमतों में यह कमी अंतरराष्ट्रीय मूल्य कम होने और खाद्य तेलों पर आयात शुल्क कम किए जाने के कारण हुई है। उद्योग प्रतिनिधियों ने तब यह सुनिश्चित करने की सलाह दी थी कि खाद्य तेलों के अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी होने का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले फैंस को लगा बड़ा झटका, डेविड वॉर्नर ने किया संन्यास का ऐलान?

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने शनिवार को खुलासा किया कि वह जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने टेस्ट करियर का समापन करना चाहते हैं। भारत के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारियों में लगे वॉर्नर ने अभ्यास सत्र से पहले बातचीत करते हुए उम्मीद जताई कि पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट उनका अंतिम टेस्ट मैच होगा। यह सलामी बल्लेबाज हालांकि हाल में लंबे प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझता रहा है और उनकी टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं है। वॉर्नर ने कहा,'' टीम में बने रहने के लिए आपको रन बनाने होंगे। मैं शुरू से कहता रहूं कि (2024) टी20 विश्व कप शायद मेरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आखिरी मैचहोगा।''

उन्होंने कहा,'' अगर मैं यहां रन बनाता हूं और ऑस्ट्रेलिया में भी खेलना जारी रखता हूं तो मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि मैं वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेलूंगा। अगर मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज में रन बनाता हूं तथा पाकिस्तान श्रृंखला के लिए टीम में चुना जाता हूं तो मैं निश्चित तौर पर वहां अपने करियर का अंत करना चाहूंगा।'' ऑस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया इस साल के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगा जिसका आखिरी मैच तीन जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

महिला जूनियर एशिया कप में भारत ने उज़्बेकिस्तान को 22-0 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उज़्बेकिस्तान जीत हासिल की है। इस तरह से भारतीय टीम ने अपने महिला जूनियर एशिया कप 2023 अभियान की जोरदार शुरुआत करते हुए उज्बेकिस्तान को 22-0से हरा दिया है। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अगला पूल गेम 5 जून को मलेशिया के खिलाफ खेलेंगी। भारत ने फ्रंट फुट पर प्रतियोगिता की शुरुआत करते हुए नियमितता के साथ उज्बेकिस्तान पर बढ़त बनाई। उसने शुरूआत से ही उग्र खेलकर की जिस कारण वे शुरुआती बढ़त लेने में सफल रहे क्योंकि वैष्णवी विठ्ठल फाल्के ने पेनल्टी कार्नर को बदला जबकि मुमताज खान ने बाद में मैदानी गोल करके भारतीय टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। अन्नू ने एक गोल करके टीम की तालिका में इजाफा किया और शुरुआती क्वार्टर को भारत ने 3-0 की बढ़त के साथ समाप्त किया।

हालां?कि खेल का दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर से अलग नहीं था क्योंकि भारत ने गेंद को कब्जे में रखकर और लगातार आक्रमण करते हुए खेल पर अपना दबदबा कायम रखा और सुनीलिता टोप्पो, मंजू चोरसिया के रूप में बड़े अंतर से अपनी बढ़त बनाने में मदद मिली।, दीपिका सोरेंग, अनु ने नेट गोल कर भारत को 10-0 की बढ़त के साथ आधे समय के ब्रेक में जाने में मदद की।

इधर भारतीय टीम अधिक गोल करने के लिए उत्सुक थी और उन्होंने चौथे क्वार्टर में दीपिका, मुमताज खान, और नीलम के माध्यम से तीन त्वरित गोल करके टीम को 18-0 से आगे कर दिया। इतना ही नहीं अन्नू ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया, जो मैच का उनका छठा गोल भी था जबकि वैष्णवी विठ्ठल फाल्के ने खेल का अपना दूसरा गोल कर टीम का स्कोर 20-0 कर दिया। एक मिनट बाद दीपिका (57) ने पेनल्टी कार्नर से अपने शॉट को घर पर पहुंचा दिया जिसके बाद मुमताज खान ने गोल किया और मैच भारत के पक्ष में 22-0 से समाप्त हो गया।

ए?शिया कप से पहले शाहीन अफरीदी का कमाल, एक ओवर में मारे 4 छक्के

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहीन अफरीदी ने एशिया कप के पहले ही अपनी बल्लेबाजी से कमाल दिखा दिया है। वे अपनी धारदार गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। 23 साल का पाकिस्तानी खिलाड़ी अब बल्ले से भी कोहराम मचा रहा है। वे अभी इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट में उतर रहे हैं। एक मुकाबले में उन्होंने एक ओवर में 4 छक्के जड़े। उनके ओवरऑल टी20 के रिकॉर्ड को देखें, तो वे अब ससुर शाहिद अफरीदी की राह पर चल पड़े हैं। वे चौके से अधिक छक्के लगा चुके हैं। सितंबर में एशिया कप होना है। उससे पहले उन्होंने सभी विरोधी टीमों को मैसेज भेज दिया है कि वे बल्ले से भी मैच का रुख बदल सकते हैं। शाहीन अफरीदी नॉटिंघमशायर की ओर से खेल रहे हैं। हालांकि उनकी टीम को वूस्टरशायर के खिलाफ 56 रन से बड़ी हार मिली। मैच के 16 वें ओवर में अफरीदी ने ऑफ स्पिनर मिचेल ब्रेसवेल की गेंद पर 4 छक्के जड़े। वे अंत में 11 गेंद पर 29 रन बनाकर आउट हुए। एक चौका और 4 छक्का जड़ा। मैच में वूस्टरशायर ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 226 रन बनाए थे। जवाब में नॉटिंघमशायर की टीम 18.2 ओवरों में 170 रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

शाहीन अफरीदी के ओवरऑल टी20 रिकॉर्ड के अनुसार वे चौके से अधिक छक्के जड़ चुके हैं। उन्होंने अब तक 148 मैच में 364 रन बनाए हैं। 25 चौका और 26 छक्का लगाया है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 21 की औसत से 206 विकेट भी लिए हैं। 19 रन देकर 6 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है। 4 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। इससे उनकी बेहतरीन गेंदबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। शाहिद अफरीदी ने भी टी20 में बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने 250 से अधिक छक्के जड़े तथा 347 विकेट भी लिए।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जडेजा की जगह पक्की, अश्विन को शायद ही अवसर मिले : विटोरी

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम सात जून से ओवल पर शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में भारतीय गेंदबाजों को लेकर संशय में है। उसके सहायक कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का खेलना तय है पर अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले। भारतीय टीम ने हाल ही में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में अश्विन और जडेजा दोनों को शामिल किया। तब इन दोनो ने ही शानदार गेंदबाजी की थी।

ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र से पहले विटोरी ने कहा कि टीम प्रबंधन ने भारत के संभावित गेंदबाजी आक्रमण को लेकर काफी बात की है। उन्होंने कहा, 'हम इस पर बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जडेजा खेलेगा क्योंकि वह उपयोगी बल्लेबाज भी है। उन्होंने कहा, 'चौथे गेंदबाज और ऑलराउंश्र को लेकर शार्दुल ठाकुर या अश्विन में से एक हो सकता है हालांकि दोनों ही अच्छे विकल्प हैं। अश्विन ने इंग्लैंड में सात टेस्ट में 18 विकेट लिए हैं पर ओवल में उन्होंने एक ही मैच खेला है।

विटोरी ने कहा, 'अश्विन शानदार गेंदबाज हैं और अधिकांश टीमों में पहली पसंद होगा लेकिन ओवल के हालात में टीम संयोजन को देखते हुए उसे शायद बाहर रहना पड़ सकता है। विटोरी ने यह भी कहा कि आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल में कैमरन ग्रीन की भूमिका अहम होगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के प्रस्ताव को नामंजूर किया

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पूरे एशिया कप की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाने के कारण श्रीलंका क्रिकेट से नाराज है। पाकिस्तान ने इस देश में वनडे बायलेटरल सीरीज खेलने के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। पीसीबी के सूत्रों के अनुसार श्रीलंका ने एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करने की इच्छा जाहिर की है, जिससे इन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के रिश्तों में खटास पैदा हो गई है। इसके बाद पीसीबी और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड में तानातानी हो गई है।

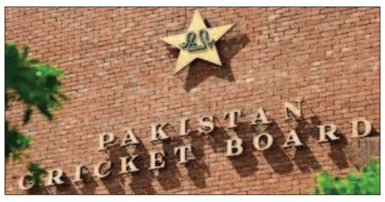

सूत्रों ने कहा, इन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच खटास पैदा होने का एक उदाहरण पीसीबी का श्रीलंका में अगले महीने वनडे सीरीज खेलने से इनकार करना है। पाकिस्तान को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के तहत इस साल जुलाई में दो टेस्ट मैच खेलने के लिए श्रीलंका का दौरा करना है।

श्रीलंका ने साथ ही वनडे सीरीज खेलने का प्रस्ताव भी पीसीबी के सामने रखा था। लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की कि पीसीबी ने शुरू में कहा था कि वह प्रस्ताव पर विचार करेगा लेकिन अब प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट संकेत है कि पीसीबी सितंबर में एशिया कप की की मेजबानी करने की श्रीलंका क्रिकेट की पेशकश से खुश नहीं है जबकि इस क्षेत्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने की बारी पाकिस्तान की है।

विराट कोहली और अनुष्का को मिला एफए कप के फाइनल मुकाबले का न्यौता

नई दिल्ली । भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एवं उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को लंदन में होने वाले एफए कप के लिए बुलाया गया है। भारत के स्टार कपल्स को देश दुनिया में लोग काफी पसंद करते हैं। इसकारण इंग्लैंड के मशहूर टूर्नामेंट एफए कप के फाइनल मुकाबले के लिए उन्हें भी न्यौता मिला है। एफए कप का फाइनल मुकाबला शनिवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए शाम 7.30 बजे इंग्लैंड स्थित वेम्बली स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। फाइनल मुकाबले के लिए विराट और अनुष्का के साथ-साथ देश के कई अन्य खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को फाइनल मुकाबले के लिए खास न्यौता मिला है। उन्हें जर्मन स्पोर्ट्सवियर ब्रांड प्यूमा और इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी ने खास अतिथि के रूप में बुलाया है। कोहली और अनुष्का भारत में प्यूमा के ब्रांड एम्बेसेडर हैं। वहीं प्यूमा का मैनचेस्टर सिटी के साथ भी करार है।

खेल और राजनीति को एक साथ नहीं जोड़ना चाहिए : बीसीसीआई अध्यक्ष

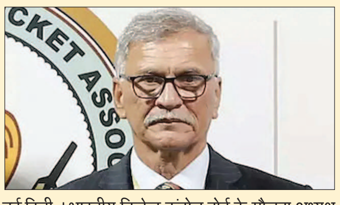

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर खुद को 1983 वर्ल्ड विजेता टीम के सदस्यों से अलग कर लिया है। बिन्नी का कहना है कि खेल और राजनीति को एक साथ नहीं जोड़ना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर ने बताया कि पहलवानों के विरोध की मौजूदा स्थिति पर बयान जारी करने का दावा करने वाली मीडिया रिपोर्ट गलत है। उन्होंने कहा कि मामला अधिकारियों के विचाराधीन है और खेल को राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। बिन्नी ने कहा, कुछ मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, मैं साफ करना चाहूंगा कि मैंने पहलवानों के विरोध की मौजूदा स्थिति के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। मेरा मानना है कि सक्षम अधिकारी इस मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। एक पूर्व क्रिकेटर के रूप में मेरा मानना है कि खेल को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। इसके पहले पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने पहलवानों के समर्थन में आवाज उठाई और इस मुद्दे से निपटने के प्रति असंतोष व्यक्त किया था। उनका कहना है कि खेल की उपलब्धियों के माध्यम से देश का सम्मान बढ़ाने वाले पहलवान न्याय के हकदार हैं। बृजभूषण सिंह पर आजाद ने कहा कि, 'जब आधा दर्जन से अधिक लड़कियों ने उन पर आरोप लगाया है, तब उन्हें पॉक्सो अधिनियम के तहत तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्यों ने शुक्रवार को पहलवानों से आग्रह किया था कि अपनी मेहनत से कमाई गई पदकों को गंगा नदी में बहाने का फैसला जल्दबाजी में न लें।

फ्रेंच ओपन 2023 : नोवाक जोकोविच ने स्पेनिश खिलाड़ी को मात देकर हासिल की जीत, क्वार्टरफाइनल में जगह की पक्की

पेरिस (एजेंसी)। टेनिस के पूर्व नंबर 1 रहे नोवाक जोकोविच ने अपने फैंस को जबरदस्त तोहफा दिया है। नोवाक जोकोविच ने टेनिस ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन 2023 के मेन्स सिंगल्स के तीसरे राउंड में जीत हासिल की है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच ने अपनी जगह पक्की कर ली है। नोवाक ने स्पेनिश खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना को मात देकर क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अपना स्थान बनाया है।

टेनिस के ग्रैंड स्पैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 2023 का खुमार इन दिनों दर्शकों और फैंस के बीच देखने को मिल रहा है। इस सीजन में एक बार फिर से सर्बियाई प्लेयर नोवाक जोकोविच ने जीत दर्ज कर अपने फैंस को बेहद खुशी दी है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में नंबर 3 पर स्थित नोवाक ने पुरुष सिंगल्स के तीसरे राउंड में नोवाक ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही वो अब चौथे दौर में पहुंच गए हैं जहां वो क्वार्टरफाइनल मुकाबला खेल सकेंगे।

जानकारी के मुताबिक ये मुकाबला साढ़े तीन घंटे से भी अधिक समय तक चला। इस मैच के दौरान दर्शकों की तरफ से लगातार नकारात्मक टिप्पणियों की बौछार होती रही मगर नोवाक ने सभी नकारात्मक टिप्पणियों को जवाब जीत से दिया। जोकोविच को तीसरे दौर के मैच में 29 वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (5), 6-2 से जीता। बाइस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के करियर में यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में तीन सेट में जीत दर्ज करने के लिए तीन घंटे 36 मिनट का समय लिया। इस बीच दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हाल की राजनीतिक टिप्पणियों के लिए उन पर ताने भी कसे।

जोकोविच इससे नाखुश दिखे। उन्होंने बाद में कहा,'' अधिकतर दर्शक टेनिस का आनंद लेने या किसी खिलाड़ी का समर्थन करने के लिए आते हैं, लेकिन यह कुछेक दर्शक हैं जो आपके हर काम का मजाक उड़ाना चाहते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मुझे अपमानजनक लगता है।'' जोकोविच के अलावा पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज,पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास और आठवीं वरीयता प्राप्तकारेन खाचनोव आगे बढ़ने में सफल रहे। अन्य मैचों में लोरेंजो सोनेगो ने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को , जबकि जुआन पाब्लो वरिलास ने नंबर 13 ह्यूबर्ट हर्कज को 3-6, 6-3, 7-6 (3), 4-6, 6-2 से उलटफेर का शिकार बनाया। महिला वर्ग मेंदूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, डारिया कसात्किना, स्लोएन स्टीफंस, एलिना स्वितोलिना और 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा ने चौथे दौर में प्रवेश किया।

महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में कीनिया ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

फ्लोरेंस । कीनिया ने महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में नया विश्व रिकार्ड बनाया है। कीनिया की फेथ किपयेगोन ने गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ में यह मुकाम हासिल किया है। जानकारी के अनुसार किपयेगोन ने शुक्रवार को डायमंड लीग की इस प्रतियोगिता में तीन मिनट 49.11 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस तरह से किपयेगोन इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई हैं। दो बार के ओलंपिक चैंपियन और दो बार के विश्व चैंपियन किपयेगोन ने इथियोपिया की गेन्जेबे दिबाबा के 2015 में बनाए गए तीन मिनट 50.07 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा। किपयेगोन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन मिनट 50.37 सेकंड था जो उन्होंने पिछले साल अगस्त में मोनाको में बनाया था।

फ्रेंच ओपन में चौथे दौर में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

पेरिस । दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज फ्रेंच ओपन में टॉप स्पीड में हैं। उन्होंने 26वीं वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव को हरा कर चौथे दौर में प्रवेश किया। क्ले कोर्ट पर अल्कराज की यह सीजन की 23वीं जीत (सिर्फ दो हार) है। चौथे दौर में उनका सामना इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा। दोनों में अब तक एक ही भिड़त हुई है, जिसमें मुसेटी ने जीत दर्ज की। अलकराज ने पहले सेट में महज 19 मिनट में 4-0 की बढ़त बना ली। शापोवालोव सिर्फ एक गेम जीत सके। अल्कराज ने पहला सेट 37 मिनट में 6-1 से जीता। हालांकि दूसरे सेट में शापोवालोव ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर 4-1 की बढ़त बना ली। लेकिन ये लीड थोड़ी देर के लिए ही थी। अल्कराज ने 16-शॉट रैली से ब्रेक प्वांट अजिर्त किया। फिर अल्कराज अपने फॉर्म में आ गए और दूसरा सेट 6-4 से जीत लिया। शापोवालोव ने टॉयलेट ब्रेक लिया, लेकिन अल्कराज ने तीसरे सेट में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली और तीसरा गेम 6-2 से जीत लिया। दो घंटे, 10 मिनट के इस मैच में शापोवालोव ने 39 गलतियां कीं। शापोवालोव ने अपनी सर्विस के साथ भी संघर्ष किया। सिर्फ 56 प्रतिशत पहला सर्व सही रहा और उनमें से केवल 51 प्रतिशत जीते। अल्कराज, हमेशा की तरह, शानदार थे, उन्होंने 25 विनर मारे, 14 ड्रॉप शॉट मारे।

आईपीएल के बाद टेस्ट प्रारूप में खेलना कठिन रहेगा: अक्षर

पोर्ट्समाउथ (एजेंसी)। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा है कि टी20 प्रारूप के बाद टेस्ट प्रारूप में ढलना आसान नहीं रहेगा। अक्षर के अनुसार आईपीएल के दोरान ड्यूक गेंद से अभ्यास की आदत पड़ जाती है। इससे टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में मुश्किलें आयेंगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी पिछले दो माह से आईपीएल खेल रहे थे। वहीं भारत में जहां टेस्ट क्रिकेट में एसजी गेंदों का उपयोग होता है वहीं डब्ल्यूटीसी फाइनल में ड्यूक गेंद से खेलना पड़ता है।

भारतीय टीम हालांकि ड्यूक गेंदों के लिए तैयार है। इसके लिए उसने अभ्यास भी किया है। अक्षर ने कहा, 'हम इसके बारे में आईपीएल शुरू होने से पहले ही जानते थे, इसलिए आईपीएल के दौरान भी चर्चा होती थी कि हम लाल गेंद से गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमारे पास लाल गेंदें थीं इसलिए हम उनका इस्तेमाल कर रहे थे। आप जानते हैं कि कब और कैसे खेलना है, आपके पास कितना समय है। सफेद गेंद से लाल गेंद की ओर जाना मानसिक रूप से बदलाव करना कठिन है लेकिन हमारे पास पर्याप्त समय है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने हालांकि कहा कि सबसे अहम यह है कि सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की जाये।

अक्षर ने कहा, 'हम सफेद गेंद से लाल गेंद में बदलाव कर रहे हैं। यह एसजी से ड्यूक गेंद में बदलाव करने के समान ही है। आपको अपनी प्रतिभा और कौशल का उपयोग करना होगा। आपको अपनी योजना को लागू करना होता है और गेंदबाजी लय हासिल करनी होती है। गेंद चाहे कोई भी हो, अगर आप सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हैं तो यह तरीका काम करता है। उन्होंने कहा, 'हम यही कर रहे हैं। मैच इंग्लैंड में है, जहां के हालात भारत से अलग हैं, तो हम योजना बना रहे हैं कि यहां कौन सी लाइन और लेंथ काम करेगी। भारतीय खिलाड़ियों का पहला दल पिछले हफ्ते की शुरुआत में लंदन पहुंचा था जिसमें विराट कोहली और अक्षर जैसे खिलाड़ी शामिल थे। टीम फाइनल की तैयारी में लगी है।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती संघ को जल्द चुनाव करने को कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का गुस्सा थम नहीं रहा हैं। वह लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने के कारण भारत को निलंबन का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने धमकी देकर कहा है कि अगर भारतीय कुश्ती संघ जल्द से जल्द चुनाव नहीं कराता तब डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया जाएगा। भारतीय कुश्ती संघ की चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने के लिए खेल मंत्रालय ने आईओए को 45 दिन तक का समय दिया है। जो 10 जून को समाप्त हो रहा हैं। रिपोर्ट के अनुसार ओलंपिक एसोसिएशन ने अभी तक अपनी प्रक्रिया शुरू भी नहीं की है। उन्होंने इसके लिए अब तक अधिकारी भी नियुक्त नहीं किया है। जो इसकी निगरानी कर सके। सूत्र ने बताया कि जब तक यह मामला ठंडा नहीं होता, तब तक निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराना ठीक नहीं होगा। इसी वजह से अभी तक चुनाव के लिए सूचना जारी नहीं की गई है। शनिवार 3 जून के बाद कुश्ती संघ के पास सिर्फ हफ्ते भर का समय बचा है। अगर 10 जून तक चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तब कुश्ती संघ को निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, गुरुवार को ओलंपिक एसोसिएशन ने भारतीय कुश्ती संघ के साथ बैठक की है।

पहलवानों के लिये इंसाफ चाहते हैं लेकिन कानूनी प्रक्रिया के जरिये: खेलमंत्री अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि हर कोई चाहता है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों को इंसाफ मिले लेकिन यह कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही संभव है। ठाकुर के इस बयान से दो दिन पहले एक महीने से अधिक समय से धरने पर बैठे शीर्ष पहलवानों ने अपने पदक हरिद्वार में गंगा नदी में बहाने की धमकी दी थी। ठाकुर ने टाइम्स नेटवर्क द्वारा आयोजित आर्थिक सम्मेलन में एक प्रश्न उत्तर सत्र में कहा ,'' सरकार भी निष्पक्ष जांच चाहती है। हम सभी चाहते हैं कि न्याय मिले लेकिन इसके लिये कानूनी प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना होगा।''

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है जो भाजपा सांसद बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर सरकार द्वारा नियुक्ति समिति की रिपोर्ट के बाद दर्ज किया गया था। यह पूछने पर कि आरोपी भाजपा सांसद होने की वजह से क्या कार्रवाई में विलंब हो रहा है, उन्होंने कहा ,'' पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं है। हम सभी जांच जल्दी पूरी होने के पक्ष में हैं।''

ठाकुर ने कहा कि सरकार ने पहलवानों की हर बात मानी और आरोपों की जांच के लिये समिति का भी गठन किया जिसमें उनके कहने पर सदस्य जोड़े गए। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के कामकाज के संचालन के लिये प्रशासकों की समिति का गठन किया। उन्होंने कहा ,'' कोई भी खिलाड़ी हो या महिला हो, अगर कोई अत्याचार हुआ है तो उसे जल्दी इंसाफ मिलना चाहिये। पहलवानों का जो मामला है , वह सात साल पुराना है और जनवरी में हमने उनसे पूछा भी था कि कोई एफआईआर दर्ज करनी है तो उन्होंने कहा था कि वे सिर्फ सरकार का दखल चाहते हैं।

गुजरात में इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी के लागू होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में 1475 फीसदी का भारी उछाल

गांधीनगर । मौजूदा दौर में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ रही है। वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन के कारण पर्यावरण को हो रहे नुकसान को रोकने, और ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लोगों में बढ़ रही जागरूकता और इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर सरकार के द्वारा मिल रहे आकर्षक आर्थिक प्रोत्साहन के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदी में बड़ी बढ़ोतरी नजर आ रही है। राज्य सरकार ने गुजरात को इलेक्ट्रिक व्हीकल और इससे संबंधित उपकरणों का मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2021 में ई-व्हीकल पॉलिसी जारी की थी। आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ई-व्हीकल (ईवी) की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। गुजरात में ई-व्हीकल पॉलिसी लागू होने के बाद ईवी के पंजीकरण में 1475 फीसदी का भारी उछाल देखने को मिला है। आज राज्य में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 1,18,086 तक पहुंच गई है, जो पहले केवल 7,240 थी। पिछले पांच महीनों के दौरान प्रति माह 8,858 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत किए गए हैं। गुजरात में सर्वाधिक 31,561 इलेक्ट्रिक व्हीकल सूरत में पंजीकृत हुए हैं। उसके बाद अहमदाबाद में 20,937, वडोदरा में 7,648, राजकोट में 6,678 और जामनगर में 3,259 इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का पंजीकरण हुआ है। गुजरात में पंजीकृत कुल 1,18,086 ई-व्हीकल्स में से 1,06,341 दो पहिया वाहन, 4093 तीन पहिया और 5646 चार पहिया वाहन और शेष 2006 अन्य श्रेणी में आने वाले इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। राज्य सरकार गुजरात में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी विशेष ध्यान दे रही है। गुजरात के अलग-अलग शहरों में तेजी से ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जा रहे हैं। अभी राज्य में कुल 152 चार्जिंग स्टेशन हैं। आने वाले समय में 250 नए पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार ने राज्य के हर क्षेत्र में एक समान चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने और चार्जिंग स्टेशन साइट की चयन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बायसेग-एन (भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स) के साथ मिलकर जोन्स/ हॉटस्पॉट्स चिह्नित किए हैं। इसके अनुसार महानगर पालिका क्षेत्र में 91, नगर पालिका क्षेत्रों में 48, राज्य राजमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 96 हॉटस्पॉट्स तथा पर्यटन स्थलों पर 15 हॉटस्पॉट्स का चयन किया गया है। राज्य सरकार लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को लेकर जागरूक करने के सभी प्रयास कर रही है। वर्ष 2021 में लागू इस पॉलिसी के अंतर्गत दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों पर अधिकतम 20,000 रुपए, तीन पहिया वाहनों पर अधिकतम 50,000 रुपए और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों पर अधिकतम 1,50,000 रुपए की सब्सिडी दी जाती है। राज्य सरकार ने बतौर सब्सिडी अब तक 133.83 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। उल्लेखनीय है कि यह नीति चार वर्षों की समयावधि के लिए कार्यरत रहेगी, जिसके अंतर्गत कुल 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी गुजरात की ग्रीन ग्रोथ यानी हरित विकास की रणनीति का एक अहम हिस्सा है। स्वच्छ और हरित विकास से भारत में औद्योगिक और आर्थिक परिवर्तन होगा। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम कर हरित विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ईवी एक नया क्षेत्र है और एक नया मार्केट भी है। इसके कारण इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों का भी सृजन हो रहा है। गुजरात जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता को कम कर और परिवहन ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाकर चिरस्थायी भविष्य के निर्माण में अहम योगदान दे रहा है।

उडीसा रेल दुर्घटना के कारण गुजरात भाजपा ने अपने सभी कार्यक्रम किए स्थगित

अहमदाबाद।

शुक्रवार की शाम उडीसा में हुई भीषण रेल दुर्घटना में अब तक 288 लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि एक हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। रेल दुर्घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत भाजपा नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने रेल दुर्घटना को लेकर ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा 'उडीसा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना अत्यंत हृदयद्रावक है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदना शोकसंतप्त परिवारों के साथ है। दुर्घटना में घायल हुए सभी लोग जल्द स्वस्थ हो ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। इस दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होनेवाले कार्यक्रम समेत मेरे सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। ईश्वर रेल दुर्घटना में जान गंवाने वाले मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करे। ओम शांति।'

गुजरात भाजपा के प्रमुख सीआर पाटील ने भी ट्वीट कर दुख व्यक्त किया है। पाटील ने ट्वीट में कहा 'उडीसा के बालासोर में बीते हुई रेल दुर्घटना अत्यंत दु:खद है। इस दुर्घटना के कारण केन्द्र सरकार के नव वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होनेवाले कार्यक्रम और भाजपा के अन्य सभी कार्यक्रमों को आज के दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। ईश्वर शोकसंतप्त परिवारों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे ऐसी प्रार्थना करता हूं।

अमेरिकन टूरिस्टर ने अपना नया अभियान "बॉर्न टू क्रॉस बाउंड्रीज़" लॉन्च किया

सूरत।

अमेरिकन टूरिस्टर एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय सामान ब्रांड है जो 90 से अधिक वर्षों से बाजार में है। अमेरिकन टूरिस्टर बैग के डिजाइन लोकाचार के साथ जीवंत, मज़ेदार और ट्रेंडी बैकपैक और सामान को दर्शाते हुए, ब्रांड लचीला, कार्यात्मक और ट्रेंडी उत्पादों के लिए खड़ा है। इसके अलावा, यह यात्रा को मजेदार और साहसिक बनाने पर जोर देता है।

अमेरिकन टूरिस्टर के ब्रांड एंबेसडर के रूप में, क्रिकेटर विराट कोहली के साथ साझेदारी पिछले सात वर्षों से मजबूत रही है और दोनों ने शानदार और ऑफ-बीट अभियानों को निर्बाध रूप से अंजाम दिया है। पहले व्यापक रूप से प्रशंसित अभियान की तरह, नया अभियान यात्रियों को उनके साहसिक पक्ष को उजागर करने और उनकी बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अभियान के बारे में बात करते हुए, सैमसोनाइट इंडिया के सीईओ, जय कृष्णन ने कहा, "अमेरिकन टूरिस्टर वास्तव में एक वैश्विक, अंतर्राष्ट्रीय और प्रेरक ब्रांड है। यह सामान की आवश्यकता की पहचान करने से परे है जो यात्रा को आसान बनाता है। यह व्यक्तियों को अनुभव तलाशने के लिए प्रेरित करता है। एक देखें। पारंपरिक पर्यटन गतिविधि। यह अभियान वास्तव में अमेरिकी यात्री के इस पहलू को जीवंत करता है। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसे हमारी सीमाओं को आगे बढ़ाने और हमारे डर पर काबू पाने की हमारी भावना का सम्मान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।"

संविधान में 125 दफा संशोधन किया गया, एक बार हिन्दू राष्ट्र के लिए भी हो : धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

वडोदरा।

बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री लगातार भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं और अपने हर कार्यक्रमों में हिन्दुओं को एकजुट होने का आह्वान कर रहे हैं। आज वडोदरा में धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि देश के संविधान में 125 बार संशोधन किया जा चुका है। एक बार हिन्दू राष्ट्र के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। बता दें कि धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री गत 25 मई से गुजरात में हैं और अलग अलग शहरों में उनका दिव्य दरबार लग रहा है। सूरत, अहमदाबाद, राजकोट के बाद आज सुबह धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री वडोदरा पहुंचे। वडोदरा के नवलखी मैदान में बागेश्वर धाम के दिव्य दरबार का आयोजन किया गया था। वडोदरा में मीडिया से बातचीत करते हुए धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म की जड़ें कमजोर नहीं हैं, परंतु उसके पत्ते सूख रहे हैं। हांलाकि अब ये पत्ते भी हरे भरे होंगे और प्रत्येक हिन्दू उसे हृदय से सींचेगा और उससे अखंड भारत बनेगा। उन्होंने कहा कि हिन्दू राष्ट्र का अर्थ सामाजिक समरसता है। हिन्दू राष्ट्र का मतलब वैचारिक मतभेद के बावजूद सभी पंथ एक साथ राष्ट्र के उत्थान का संकल्प लें। आज जातिवादी की कुरीतियों पर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रही है, जो हिन्दू राष्ट्र बनने पर खत्म होंगी। मंदिरों का धन सनातन धर्म के प्रचार पर खर्च हो। उन्होंने कहा कि राम की यात्रा में पत्थर फैंकने, रामचरित मानस को जलाने या ऐसे विचार करने वालों को भारत में रहने का अधिकार नहीं है। हिन्दू राष्ट्र का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति को रहने का अधिकार, साधु-संतों की सुरक्षा और हमारा आराध्य देव राम के प्रचार में किसी प्रकार की बाधा ना हो। एक सवाल के जवाब में धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हिन्दू डरा नहीं बल्कि बुजदिल हो गया था, परंतु अब वह भी जागृत हो रहा है। राजकोट में एक व्यक्ति की हिप्नोटाइज कर रुपए ऐंठने की शिकायत पर उन्होंने कहा कि यह सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का एक प्रयास था। अगर हिप्नोटाइज कर किसी से रुपए लेने ही होते तो करोड़ों रुपए नहीं लेता। उन्होंने पत्रकारों से सवाल किया कि क्या आप हिप्नोटाइज हुए क्या? हिन्दू राष्ट्र किस प्रकार का बनेगा, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक हिन्दू जागेगा और दो तिहाई लोग आवाज उठाएंगे तभी यह संभव होगा। प्रत्येक हिन्दू लव जिहाद से बचाने की मांग करेगा, वर्ना साझी जैसा हाल होगा। लव जिहाद को उन्होंने पूर्व नियोजित साजिश बताते हुए कहा कि आज लोलीपोप दिखाकर सनातनियों को ललचाया जा रहा है। आज बेटियों को लक्ष्मीबाई बनकर मुकाबला करना होगा। भारत में संविधान है ऐसे में हिन्दू राष्ट्र कैसे बनेगा के सवाल धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि संविधान में अब तक 125 दफा संशोधन किया जा चुका है। अब हिन्दू राष्ट्र के लिए भी संविधान में संशोधन करने की आवश्यकता है।

बहानों के टापुओं से निकलेंगे तो ही सफलता के किनारे मिलेंगे : हर्षवर्धन जैन

जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच हर्षवर्धन जैन ने इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'संकल्प से सफलता' मेंटरिंग प्रोग्राम में 6500 से अधिक उद्यमियों समेत हजारों लोगों का मार्गदर्शन किया

सूरत भूमि, सूरत।

प्रोग्रेस एलायंस द्वारा शनिवार 3 जून को शाम 5.30 बजे घोड़दोड़ रोड स्थित इंडोर स्टेडियम में संकल्प से सफलता का भव्य आयोजन किया गया। जाने-माने और मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच हर्षवर्धन जैन ने दृढ़ निश्चय से सफलता के विषय पर प्रेरक यात्रा की। स्टेडियम में 6,500 से अधिक उद्यमियों सहित हजारों लोगों ने यात्रा का आनंद लिया। और नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के तहत इंडोर स्टेडियम में प्रवेश करने वाले सभी लोगों का संस्था द्वारा भारतीय परंपरा के अनुसार गर्मजोशी से स्वागत किया गया। ग्रैंड वेटर हर्षवर्धन जैन के मंच पर आने पर सभी ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। हर्षवर्धन जैन ने प्रभावशाली अंदाज में गुजरात और सूरत का अभिवादन कर अपने प्रेरक भाषण की शुरुआत की। प्रोग्रेस एलायंस जैसे संगठनों के प्रयासों से देश एक बार फिर से सोने की चिड़िया बनने का विश्वास व्यक्त करते हुए हर्षवर्धन जैन ने कहा कि जब मनुष्य अपनी ऊर्जा को सफलता के अजेय मंत्र में परिवर्तित करता है, तो उसकी सभी समस्याओं का अंत शुरू हो जाता है।

दुनिया में 80-20 के सक्सेस रेश्यो में अगर आप 20 परसेंट में रहना चाहते हैं, ईमानदारी से, अगर आप लाइफ में बेस्ट 20 परसेंट कोशिश करते हैं तो 80 परसेंट सक्सेस मिले बिना नहीं रहती। आज 20 प्रयास ऐसे हैं जो रहस्यमयी और छिपे हुए हैं, उन्हें पहले खोजा जाना है। अगर इसे ढूंढ कर काम किया जाता है तो यह एक सफल कदम होगा। फिर 20 प्रतिशत तक सीमित रहने की बजाय विश्व में सफलता की सूची में आने वाले 4 प्रतिशत लोगों के लिए प्रयास करना चाहिए। कोई ऐसा क्यों कहता है? बहुत मुश्किल है तो जवाब है 'सोचने से होता है' 6500 उद्यमियों को संबोधित करते हुए बिजनेस कोच आगे कहते हैं, सफल होने के लिए सबसे पहले बहाने बनाना बंद करना होगा।

बहानों के टापू से बाहर निकलेंगे तो ही सफलता की दहलीज पर पहुंचेंगे। कमी, अगर और फिर तो सब बहाने हैं। वास्तव में कमी में भी बहुत बड़ी ताकत होती है जो आपको सबसे मजबूत और महान बनाती है। खुद को और बिजनेस को लगातार अपडेट करते रहें। क्योंकि हर पल की एक सालगिरह की तारीख होती है। आपको पता होना चाहिए कि क्या करना है। एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ कूदो। क्योंकि जिस चश्मे से आप दुनिया को देखते हैं, दुनिया उसी रंग की दिखेगी। विकास तब तक नहीं होगा जब तक आप अपनी धारणाओं, दृष्टिकोण, विचारधारा को सकारात्मकता में नहीं बदलेंगे। खुद की दूसरों से तुलना करने के बजाय, आत्म-मूल्यांकन करें कि मैं अपने जीवन में कैसे आगे बढ़ सकता हूं। दुनिया में तीन तरह के लोग होते हैं। एक वह जो नहीं जानता कि क्या करना है, दूसरा वह जो जानता है लेकिन करता नहीं है, और तीसरा वह जो जानता है कि क्या करना है और उस पर काम करता है और तीसरे प्रकार के लोग ही इतिहास रचते हैं।

विहिप और बजरंग दल ने मंदिर तोड़ने का किया विरोध

अहमदाबाद । शहर के मेमनगर क्षेत्र में झायडस अस्पताल के निकट महाकाली मंदिर ढहाने का विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने कड़ा विरोध किया। साथ ही आर-पार की लड़ाई की चेतावनी दी। दरअसल अहमदाबाद के मेमनगर क्षेत्र में जायड्स अस्पताल के निकट महाकाली माता का मंदिर है। इस मंदिर को हटाने के अहमदाबाद नगर विकास प्राधिकरण (औडा) का अतिक्रमण हटाओ दस्ता पहुंचा था। दस्ते ने जैसे ही मंदिर हटाने की कार्यवाही शुरू की, महाकाली सेवा ट्रस्ट, विहिप और बजरंग दल ने कड़ा विरोध किया। इस दौरान पुलिस और विहिप कार्यकर्ताओं के बीच उग्र बहस भी हुई। मंदिर के महाराज राजेन्द्र गिरी ने दावा किया है उनके पास मंदिर के कानूनी दस्तावेज हैं, लेकिन जमीन खाली कराने के लिए गणेश हाउसिंग बिल्डर द्वारा यह सब करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मर जाऊंगा लेकिन मंदिर, समाधि और गौशाला को हटाने नहीं दूंगा। राजेन्द्र गिरी के मुताबिक कई दशकों पहले ठाकोरों ने यह जमीन दान में दी थी। उस वक्त यहां छोटा सा मंदिर था, जिसे बाद में भव्य रूप दिया गया और उसके सभी दस्तावेज उनके पास हैं। दूसरी ओर विहिप और बजरंग दल के नेता और कार्यकर्ताओं ने आरपास की लड़ाई की चेतावनी दी है। विहिप नेताओं ने कहा कि किसी भी कीमत पर मंदिर, समाधि और गौशाला को हटाने नहीं देंगे। मंदिर के कानूनी होने के पूरे दस्तावेज हैं, जिसे सरकार और कोर्ट में भी पेश किया गया है।

बाबा बागेश्वर की कथा सुनकर लौटी पत्नी की देर रात हत्या कर पति फरार

राजकोट। शहर के खोडियारपरा में देर रात एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फरार हो गया। आरोपी की पत्नी परिवार समेत राजकोट के रेसकोर्ष मैदान में बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के दिव्य दरबार से कथा सुनकर लौटी थी। मृतका की बहन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी पति की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के खोडियारपरा क्षेत्र में मध्य प्रदेश मूल का अहरवार परिवार रहता है। बीते दिन अहरवार परिवार राजकोट के रेसकोर्ष मैदान में बाबा बागेश्वर के दिव्य दरबार में कथा सुनने गएथे। जहां से रात 11 बजे लौटने के बाद सभी लोग सो गए। अंजली पुष्पेन्द्र अहरवार भी अपने कमरे में सोने चली गई। सुबह जब अंजली अपने कमरे से बाहर नहीं आई तो उसकी बहन उसे देखने गए। कमरे का दृश्य देख अंजली की बहन की आंखें फटी की फटी रह गईं। कमरे में अंजली का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। जबकि अंजली का पति पुष्पेन्द्र गायब था। बाद में पता चला कि पुष्पेन्द्र ने ही तीक्ष्ण हथियार से गोदकर अंजली की हत्या कर दी थी। पुलिस जांच में पता चला कि कथा से लौटने के बाद देर रात अंजली और पुष्पेन्द्र के बीच पैसों को लेकर झगड़ा हुआ था। उस दौरान पुष्पेन्द्र ने अंजली की हत्या कर दी और फरार हो गया। यह भी खुलासा हुआ कि अंजली राजकोट में रहकर मजदूरी कर जीवनयापन करती थी। पति पुष्पेन्द्र हर महीने मध्य प्रदेश से राजकोट आता और अंजली लड़ झगड़ कर रुपए लेकर लौट जाता था। पुलिस ने मृतका की बहन की शिकायत के आधार पर हत्या का केस दर्ज कर आरोपी पुष्पेन्द्र की तलाश शुरू की है।

निम्न गुणवत्ता वाले कफ सिरप्स के कारण दुर्भाग्यपूर्ण मौतें

बीते माह के अंत तक, यह बात सुर्खियों में रही कि किस प्रकार डब्ल्यूएचओ ने पंजाब में तैयार किए जा रहे कफ-सिरप्स के लिए 'उत्पादन-चेतावनी' जारी की। इस तथ्य की पुष्टि सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने की है। निम्न गुणवत्ता वाले कफ सिरप्स के कारण दुर्भाग्यपूर्ण मौतें, लाइसेंसिंग और नियमों को हमेशा के मुकाबले बहुत सख्त बनाने का समयन्दवाइयों में सही तरह से सर्टिफाइड आइसोप्रोपाइल अल्कोहल्स या आईपीए का अनिवार्य प्रयोग हो सकता है पहला कदम

इन कफ-सिरप्स में जहरीले डाईइथिलीन ग्लाइकोल और इथिलीन ग्लाइकोल की 'अस्वीकार्य मात्रा' पाई गई थी। इस घटना ने बीते वर्ष अक्टूबर में घटित ऐसी अन्य घटना की याद दिला दी, जब डब्ल्यूएचओ ने भारत में कई अन्य राज्यों से आने वाले कफ-सिरप्स के बारे में मेडिकल चेतावनी जारी की थी। ये कफ-सिरप्स वेस्ट-अफ्रीकी देश जाम्बिया में बच्चों की मौतों का कारण बने थे।

भले ही ये प्रतिकूल घटनाएं सख्त कदम उठाने के प्रति सचेत करती हैं, लेकिन सरकार को आइसोप्रोपाइल अल्कोहल्स या आईपीए के प्रयोग के नियमों के लगातार उल्लंघन की ओर भी ध्यान देना चाहिए, जिनके बारे में सेक्शन-16 और दि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के दूसरे शेड्यूल में बताया गया है। आईपीए रंगहीन, ज्वलनशील और तेज गंध वाला विलायक द्रव (सॉल्वेंट) होता है। इसका व्यापक प्रयोग दवाइयां और दवाइयों के नुस्खे तैयार करने में किया जाता है। इनके अतिरिक्त, यह हैंड-सैनिटाइजर्स, एंटीसेप्टिक्स और डिस्इन्फेक्टेंट्स जैसे उत्पादों में भी प्रयोग किया जाने वाला सामान्य तत्व है।

हालांकि, जिस प्रकार कफ-सिरप्स उत्पादक अवैध रूप से डाईइथिलीन ग्लाइकोल और इथिलीन ग्लाइकोल का प्रयोग ग्लिसरीन और प्रोपाइलीन ग्लाइकोल के सस्ते विकल्प के रूप में कर रहे हैं, अन्य भारतीय दवा निर्माता भी नियमित रूप से सस्ते और आयातित आईपीए का प्रयोग कर रहे हैं। इस प्रकार के उत्पाद फार्माकोपिया मानकों में शामिल विभिन्न मापदंडों को पूरा नहीं कर पाते, जैसे यूवी अवशोषक परीक्षण (यूवी एब्सॉर्बेंस टेस्ट), असंतृप्त हाइड्रोकार्बन्स की पहचान और तेजी से कार्बन में बदले जा सकने वाले पदार्थ। ऐसे में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि इस प्रकार के कम गुणवत्ता वाले गैर-फार्मा स्तर के आईपीए के प्रयोग से दवा की गुणवत्ता और सुरक्षा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि चूंकि आईपीए, टॉल्यूनि, एसीटोन और अन्य विलायक द्रवों का बड़ी मात्रा में आयात किया जाता है और उन्हें विभिन्न समुद्र-तटों पर मिले-जुले (मिश्र)टैंकों में रखा जाता है। ऐसे में उन्हें लाने-ले जाने की प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों पर उनके दूषित होने की आशंका भी बहुत ज्यादा रहती है। इससे इनके प्रयोग से तैयार फार्मा-उत्पादों का प्रयोग करने वाले लोगों के स्वास्थ्य और जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। इसके अतिरिक्त, आयातित आईपीए को भारतीय समुद्र-तटों पर मिले-जुले टैंकों में रखा जाना भी फार्माकोपिया मानकों को पूरा नहीं करता है। वास्तव में, जब विलायक द्रवों के मिले-जुले भंडारण की बात आती है, तो आमतौर पर स्रोत का पता नहीं लगाया जा सकता, जबकि दवा उद्योग को इस महत्वपूर्ण मानक का सावधानी से पालन करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यूएस फार्माकोपिया ने आईपीए के लिए यूवी अवशोषक परीक्षण को यूएसपी में शामिल किया है, जो दिसंबर, 2023 से लागू होगा। इससे आईपीए यूएसपी मानक और सख्त हो जाएंगे और इससे यह सुनिश्चित होगा कि दवाइयों के प्रयोग में सही गुणवत्ता वाला आईपीए ही प्रयोग किया जाए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)